सांध्य दैनिक

4PM

सबसे महान जीत प्रेम की होती है, ये हमेशा के लिए दिल जीत लेती है।

-अशोक

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 12 ● अंक 227 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार 25 सितम्बर, 2026

कमलजीत और सुरुचि ने भारत को... 7 | यूपी में विस चुनाव, लगेंगे अपने... 3 | 2022 के उप्र विस चुनाव में वोटो... 2

सेक्स दवाओं के बाद शुभांकर मिश्रा कर रहे हैं विवादस्पद एआईप्लस नोवा फोन का प्रचार

करेला नीम चढ़ा : शुभांकर मिश्रा ने एआईप्लस नोवा का काम बिगाड़ा

- » ट्रोलर्स के निशाने पर शुभांकर, चाइनीज एप वाले इस फोन को भारतीय फोन बता रहे हैं
- » जिस फोन पर गंभीर सवाल, उसी का शुभांकर मिश्रा कर रहे प्रचार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एआईप्लस नोवा फोन की चमक और उसका प्रचार कर रहे शुभांकर मिश्रा के चिकने और चमकीले चेहरे को देख कर फिसल गये तो अलावा नुकसान के कुछ हासिल होने वाला नहीं है। शुभाकंर मिश्रा के चेहरे और समय रैना के शो के जरिये भारतीयों के दिलों को दस्तक देने की कोशिश कर रहा एआईप्लस नोवा विवादस्पद फोन पर टेक इन्फलुएंसर पहले ही गभीर सवाल उठा चुके हैं।

भारत की सोच, भारत की पहचान, भारत का भरोसा जैसे टैग लाइन के जरिये इस फोन का प्रचार किया जा रहा है लेकिन एआईप्लस फोन पर आरोप है कि कंपनी ने चाइनीज कंपनियों की मदद से इस फोन को तैयार किया है और भारतीय बता कर देश की जनता की संवेदनाओं के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। सवाल फोन से ज्यादा उस चेहरे पर और उसकी कार्यशैली पर भी है जिसका नाम शुभाकंर मिश्रा है जिन पर पहले ही सेक्स की दवाओं और दूसरे अनैथिकल कार्यों को अपने पाडकास्ट के माध्यम से करने के आरोप लगे हैं।

> "भारत की सोच, भारत की पहचान, भारत का भरोसा जैसे टैग लाइन के जरिये इस फोन का प्रचार किया जा रहा है"

शुभांकर कि मीडिया जगत में जहरीले पत्रकार की पहचान

जिस शुभाकंर को एआईप्लस नोवा मोबाइल कंपनी ने साफ सुथरी छवि वाला पत्रकार जानकर प्रचार का ठेका दिया दरअस्ल मीडिया जगत में उसकी पहचान एक जहरीले और गोदी मीडिया पत्रकार की है। ऐसा व्यक्ति जब फोन का प्रचार करने निकला तो टेक यूजर्स और आम आदमी को गुस्सा आ गया। कंपनी बीच में फंस गयी कि अब वह क्या करें। जाहिर सी बात है प्रोडक्ट बनाने में पैसे तो खर्च किये ही गये होंगे सोचा कि शुभांकर जैसों का साथ मिल जाएगा तो बात बन जाएगी लेकिन यहां तो लेने के देने पड़ गये। बिना प्रचार के कुछ फोन बिक सकते थे लेकिन अब बात तो सार्वजनिक हो गयी कि फोन के दावे खोखले हैं और बताया कुछ और बेचा कुछ और जा रहा है।

फोन के विभिन्न पहलुओं पर टेक क्रिएटर्स उठा चुके हैं गंभीर सवाल

इस फोन को लेकर बनाए गए आलोचनात्मक वीडियो में चाइनजीज एप, ओडीएम मैन्यूफैक्चरिंग, साफ्टवेयर और इंडियन ब्रांडिंग से जुड़े सवाल उठाए गए थे। अब इसी पूरी पृष्ठभूमि में सामने आता है शुभांकर मिश्रा का प्रमोशन। सवाल सीधा है जिस फोन के खिलाफ टेक क्रिएटर्स के वीडियो पर कंपनी अदालत पहुंच चुकी है जिस ब्रांड को लेकर साफटवेयर, चाइनजी एप और मैन्यूफैक्चरिंग को लेकर बहस हो चुकी है उसी फोन का प्रचार जब कोई सफेदपोश करता है तो क्या दर्शक को सिर्फ विज्ञापन दिखता है या उसके पीछे के विवाद की जानकारी भी मिलनी चाहिए। एआईप्लस नोवा फोन बाजार में एक ऐसे भारतीय स्मार्टफोन के तौर पर उतरा गया जिसके साथ कंपनी ने स्वदेशी टेक्नोलॉजी, डाटा की सुरक्षा और भारतीय पहचान का दावा जोड़ा। लेकिन फोन की लॉन्चिंग के बाद यूटयूब और सोशल मीडिया पर टेक क्रिएटर्स ने इन दावों की धज्जियां उड़ा कर रख दी और दूध का दूध और पानी का पानी कर दिया।

शुभांकर के जुड़ने के बाद आलोचना का दौर

कहानी सिर्फ इतनी नहीं कि एक नया फोन आया और कुछ क्रिएटर्स ने उसकी आलोचना कर दी। मामला इतना आगे जा चुका है कि कंपनी को अदालत का दरवाजा खटखटाना पड़ा है। क्योंकि शुभांकर ने इस फोन के फेवर में ऐसा राग दरबारी गाया कि आज के जेन जी को बुरा लग गया और युवा जो इस पूरे खेल के पीछे के गणित को समझ रहे है उनकी भावनाओं को ठेस पहुंची। तभी तो टेक क्रिएटर्स ने इस फोन पर और शुभांकर पर सवालों की बरसात कर दी। न जाने कितने फोन आते हैं और चले जाते हैं लेकिन जितनी कंट्रोवर्सी शुभांकर के इस ब्रांड से जुड़ने के बाद हो रही है वह इससे पहले कभी नहीं देखी गयी।

कहानी यहीं खत्म नहीं होती

एआईप्लस फोन समय रैना के चर्चित शो इंडियाज गॉट लैटेंट सीजन 2 के साथ स्पॉसरशिप की। दिलचस्प बात यह है कि कंपनी के हेड आफ ब्रांड एंड मार्केटिंग कह रहे हैं कि यह सब कुछ रैना की जेन जी अप्रोच और युवाओं से जुड़ा होने के कारण किया गया है। इन सब अपडेट के बाद सोशल मीडिया पर सवालों की बौछार है और युवाओं में बेचैनी साफ दिखायी दे रही है। रेडिट जैसे प्लेटफार्म पर यूजर्स पूछ रहे हैं कि जिस ब्रांड को लेकर टेक क्रिएटर्स ने पहले से गंभीर सवाल उठाए हैं उसे इतने बड़े युवा दर्शक वर्ग वाले शो में स्पांसर के तौर पर क्यों पेश किया जा रहा है।

शुभांकर तुमने ऐसा क्यों किया?

किसी ब्रांड का विज्ञापन करना अपने आप में गलत होने का प्रमाण नहीं है। कोई भी कंपनी अपने उत्पाद के प्रचार के लिए किसी का भी इस्तेमाल कर सकती है। लेकिन जब उसी उत्पाद को लेकर सार्वजनिक विवाद और कानूनी कार्रवाई मौजूद हो तब सवाल यह बनता है कि प्रमोशन में कंज्यूमर को कितना बताया जा रहा है और यही वह जगह है जहां शुभांकर मिश्रा के प्रमोशन पर सवाल उठ रहे हैं। फोन अच्छा है या खराब इसका फैसला विज्ञापन की आवाज नहीं स्वतंत्र प्रोडक्ट टेस्टिंग और ग्राहक अनुभव करेंगे लेकिन ग्राहक के लिए एक बात जरूर महत्वपूर्ण है कि फोन खरीदना सिर्फ स्क्रीन, कैमरा और प्रोसेसर खरीदना नहीं होता। वह कंपनी के दावे पर भरोसा भी खरीदता है।

शुभांकर मिश्रा नैतिकता को कर दिया दरकिनार

कंपनी ने सोचा कि चलो किसी ऐस सफेदपोश चेहरे को जोड़ा जाए जो बैक डोर से फोन का प्रचार करे। मीडिया के नैतिक पतन की शुरूआत तो काफी पहले से हो चुकी थी। लेकिन पत्रकारिता की केंचुल ओड़े कुछ पत्रकार इतने गिर जाएंगे किसी ने नहीं सोचा था। सफेदपोश शुभांकर मिश्रा ने कंपनी का यह एड कैंपेन धड़ से लपक किया और नैतिकता की परवाह किये बिना इस फोन का प्रचार प्रसार करने लगे। महज कुछ पैसों के लिए उन्होंने उन टेक समीक्षकों की भी परवाह नहीं कि जो इस फोन पर उंगलिया उठा चुके थे और इस फोन को चाइनीज फोन बता रहे थे।

2022 के उप्र विस चुनाव में वोटों में गड़बड़ी से सपा सत्ता में नहीं आ पाई : अखिलेश यादव

» रायबरेली में सपा प्रमुख बोले- 2027 का चुनाव सहयोगी दलों के साथ मिलकर लड़ेंगे

» सीटों का बंटवारा जीतने की क्षमता के आधार पर किया जाएगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विस चुनाव 27 को लेकर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पूरी तैयारी में आ गए हैं। इसी के तहत सपा प्रमुख ने रायबरेली में पीडीए रथ यात्रा के दौरान निर्वाचन आयोग पर पक्षपात का आरोप लगाया है। साथ ही भाजपा पर जमकर बरसे। उन्होंने दावा किया कि यदि 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में वोटों में गड़बड़ी नहीं होती तो सपा सत्ता में आती। इसके साथ ही उन्होंने 2027 का चुनाव सहयोगी दलों के साथ मिलकर लड़ने का ऐलान किया।

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने निर्वाचन आयोग पर पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक (पीडीए) वर्ग के वोटों की 'चोरी' में मदद करने का आरोप लगाते हुए बृहस्पतिवार को दावा किया कि यदि 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में पीडीए के वोटों की 'चोरी' नहीं हुई होती तो राज्य में सपा की सरकार बन गई होती। अखिलेश ने कहा कि उनकी पार्टी 2027 का उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव सहयोगी दलों के साथ मिलकर लड़ेगी और सीटों का बंटवारा जीतने की क्षमता के आधार पर किया जाएगा। रायबरेली में सपा की 'पीडीए रथ' यात्रा के तहत पहुंचे अखिलेश ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए निर्वाचन आयोग पर निशाना साधा। अखिलेश ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर ''नकारात्मक राजनीति'' करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जब उसे जनता का समर्थन कम होता दिखाई देता है तो वह प्रशासन को ढाल के रूप में इस्तेमाल करती है। उन्होंने कहा कि पीडीए आंदोलन उन लोगों की आवाज है जो परेशान, दुखी और अपमानित हैं तथा ऐसे लोग लगातार एकजुट हो रहे हैं। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव का जिक्र करते हुए अखिलेश ने कहा, हमने उन्हें 2024 में हराया और 2027 में उनकी स्थायी हार के लिए काम करेंगे। पीडीए रथ का उल्लेख करते हुए सपा प्रमुख ने इसे महाभारत के कुरुक्षेत्र और भगवद्गीता की शिक्षा से जोड़ा।

रथ भारतीय संस्कृति में कुरुक्षेत्र का प्रतीक

उन्होंने कहा कि रथ भारतीय संस्कृति में कुरुक्षेत्र का प्रतीक है और इससे एक सीख भी मिलती है। सपा ने 24 सितंबर को रायबरेली से अपनी पीडीए रथ यात्रा शुरू की है। अखिलेश ने काशी और सहारनपुर में धार्मिक ढांचों के कथित विध्वंस को लेकर भी भाजपा पर निशाना साधा और उस पर सांप्रदायिक राजनीति करने तथा सामाजिक सद्भाव को कमजोर करने का आरोप लगाया।

चुनाव आयोग बेनकाब हो चुका है और कठपुतली की तरह काम कर रहा

पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, निर्वाचन आयोग बेनकाब हो चुका है और कठपुतली की तरह काम कर रहा है। लोकतंत्र में इतने निम्न स्तर का काम शायद पहले कभी नहीं हुआ। अब निर्वाचन आयोग पर कोई भरोसा नहीं है। उन्होंने दावा किया कि 2022 के विधानसभा चुनाव में पीडीए के वोटों की 'चोरी' नहीं हुई होती तो सपा उत्तर प्रदेश में सरकार बना लेती। अखिलेश ने भाजपा पर चुनावी तंत्र का इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए कहा कि महंगाई जैसे मुद्दों पर जनता उसके पक्ष में मतदान नहीं करेगी, इसलिए वह चुनावी तंत्र का सहारा ले रही है।

बुलडोजर की राजनीति करने वाले लोग पीडीए आंदोलन से नहीं बच पाएंगे

उन्होंने कहा कि 'बुलडोजर की राजनीति' करने वाले लोग पीडीए आंदोलन से नहीं बच पाएंगे और इस बार 'जनता के वोट का बुलडोजर' उनके खिलाफ चलेगा। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में गठबंधन को लेकर अखिलेश ने कहा कि सपा अपने सहयोगी दलों के साथ चुनाव लड़ेगी और उसके लिए सीटों की संख्या प्राथमिक मुद्दा नहीं होगी। सपा प्रमुख ने कहा, हम गठबंधन करेंगे और गठबंधन के साथ आगे बढ़ेंगे। सीटों का आधार जीत होगा। गठबंधन में जीतने वाली सीटों का फैसला किया जाएगा। सपा प्रमुख ने कहा, हमारे लिए सीटों की संख्या महत्वपूर्ण नहीं होगी, बल्कि जीत महत्वपूर्ण होगी। जो सीट जीत सकता है, वह सीट उसे मिलनी चाहिए।'

यूसीसी कानून बनाने से पहले नागरिकों के बीच समानता सुनिश्चित हो

प्रस्तावित समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के संदर्भ में उन्होंने कहा कि कानून बनाने से पहले नागरिकों के बीच समानता सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, ''पहले नागरिकों को बराबर बनाइए, पहले हम सब एक हों। जब सभी का सम्मान बराबर हो जाए, तब सम्मान बढ़ाने वाले कानून लाकर लोगों को आगे बढ़ाइए।'' सपा प्रमुख ने राज्य की पुलिस व्यवस्था पर भी सवाल उठाए और पुलिस में भ्रष्टाचार बढ़ने का आरोप लगाया। रोजगार के मुद्दे पर अखिलेश ने कहा कि सपा की सरकार बनने पर युवाओं को रोजगार देने और सरकारी भर्तियां बढ़ाने के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर आउटसोर्सिंग व्यवस्था समाप्त की जाएगी। उन्होंने अस्पतालों में मुफ्त इलाज का भी वादा किया और कहा कि भविष्य में लोगों को इलाज के लिए किसी कार्ड की तलाश नहीं करनी पड़ेगी। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा सरकार बनने पर अस्पताल पहुंचने वाले लोगों का पूरा इलाज मुफ्त किया जाएगा। उन्होंने राज्य सरकार पर प्राथमिक विद्यालय बंद करने और शराब की दुकानें खोलने का आरोप लगाया तथा कहा कि सपा सरकार बनने पर बंद किए गए स्कूल फिर खोले जाएंगे। अखिलेश ने सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना बहाल करने का भी वादा किया।

ईशान आनंद को चुनौतियों से पार पाना आसान नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी में राष्ट्रीय संयोजक बनाए गए ईशान आनंद के सामने अब संगठन को एकजुट रखने के साथ उसका विस्तार करने की चुनौती है। फिलहाल उन्हें यूपी और उत्तराखंड के अलावा अन्य राज्यों की जिम्मेदारी संभालनी है, लेकिन अगले वर्ष यूपी, उत्तराखंड और पंजाब के चुनाव में पार्टी उन्हें जेन-जी के चेहरे के रूप में पेश कर सकती है। इससे पार्टी को युवाओं का समर्थन भी मिल सकता है।

दरअसल, बसपा से आकाश आनंद के बाहर होने के बाद उनके समर्थकों में मायूसी है। उनको हटाने के फैसले के बाद कई पदाधिकरियों, कार्यकर्ताओं ने पार्टी से मुंह भी मोड़ लिया था। अब ईशान को फिर से उन्हें पार्टी के साथ जोड़ना है ताकि चुनावी मुहिम पर इसका असर न पड़े। वहीं दूसरी ओर ताजपोशी के बाद ईशान को परिवार के भीतर असंतोष का सामना भी करना पड़ सकता है। हालांकि आकाश आनंद ने बसपा सुप्रीमो मायावती के फैसले पर अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है और अपने सियासी भविष्य को लेकर भी कोई संकेत नहीं दिया है। इन हालात में पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों की नजरें आकाश और उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ के अगले कदम पर टिकी हैं। जानकारों की मानें तो ईशान के लिए आगे की राह आसान नहीं है। बीते दिनों पार्टी में हुए घटनाक्रम के बाद कुछ राष्ट्रीय पदाधिकारियों को इसका जिम्मेदार बताया जा रहा था। ऐसे में यह आशंका भी जताई जा रही है कि वह ईशान की राह में रोड़ा बन सकते हैं। हालांकि बसपा सुप्रीमो मायावती का राजनीतिक अनुभव ईशान को मिलेगा, जिससे वह अधिक मजबूत होकर सियासत में अपनी पहचान स्थापित कर सकते हैं।

'न कांग्रेस में लौटूंगा, न सीएम की दौड़ में हूं'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने लंबे समय बाद अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कांग्रेस में लौटने की संभावना से साफ इन्कार किया है। वहीं उन्होंने ये भी साफ किया कि भाजपा में रहकर उन्हें कुछ हासिल नहीं हुआ है और वह खुद को मुख्यमंत्री की दौड़ से बाहर मानते हैं।

कैप्टन अमरिंदर का यह बयान विधानसभा चुनाव से ठीक पहले आया है। कैप्टन अमरिंदर सिंह 2021 में नवजोत सिद्धू से विवादों के चलते कांग्रेस से अलग हो गए थे। उनके बाद चरणजीत सिंह चन्नी को मुख्यमंत्री बनाया था। कांग्रेस छोड़ने के बाद उन्होंने अपनी एक नई पार्टी बनाई थी। बाद में उन्होंने अपनी पार्टी का भाजपा में विलय कर दिया था। अब उन्होंने स्पष्ट किया है कि उनकी कांग्रेस में जाने की कोई योजना नहीं है। हालांकि, भाजपा में अपने भविष्य को लेकर उन्होंने निराशा व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि भाजपा में उन्हें कोई महत्वपूर्ण भूमिका नहीं मिली है।

कोई भी व्यक्ति कहीं भी जा सकता है: डॉ. अजय राय

बोले कांग्रेस अध्यक्ष - हम कन्नौज-इटावा के दौरे पर जाएंगे

» यूपी कांग्रेस का सपा प्रमुख रायबरेली दौरे पर प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पीडीए रथयात्रा लेकर रायबरेली गए तो अब भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस सपा पर हमलावर है। यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि चुनाव का समय है कोई भी कहीं भी जा सकता है,अखिलेश यादव अमेठी, रायबरेली आ सकते हैं, हम कन्नौज, मैनपुरी और इटावा जा सकते हैं।

अजय राय ने कहा कि राहुल गांधी का गढ़ अब पूरा देश है और रायबरेली उनका घर है। उन्होंने कहा है कि रायबरेली और अमेठी उनका घर है और वहां उनके पारिवारिक संबंध हैं। फिलहाल, उनका गढ़ पूरा देश है। अगर किसी का पूरे देश में प्रभाव है, तो वह नाम राहुल गांधी है। पीडीए रथ यात्रा पर राय ने कहा कि देखिए, यह चुनाव का समय है और कोई भी व्यक्ति कहीं भी जा सकता है. अखिलेश जी रायबरेली या अमेठी जा सकते हैं. हम सभी कन्नौज, इटावा या सैफई भी जा सकते हैं, इसमें कुछ भी गलत नहीं है। लेकिन निश्चित रूप से, मैं बस इतना ही कहना चाहूंगा- आज पूरा देश राहुल की ओर देख रहा है. राहुल गांधी आम आदमी के मुद्दे उठा रहे हैं और पहले दिन से ही वे चुनाव आयोग को लेकर लगातार प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं। राहुल गांधी के अलावा किसी ने भी इस मुद्दे को इतनी मजबूती से नहीं उठाया है। अजय राय के इस बयान के संदर्भ में समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता आशुतोष वर्मा ने कहा कि लोग अपने हिसाब से चुनाव का विश्लेषण कर सकते हैं कि किस पार्टी की मौजूदगी ज़्यादा मज़बूत है या कौन सा इलाका मज़बूत है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

ज्ञानेश कुमार को पद से हटाया जाए: चंद्रशेखर आजाद

» नगीना सांसद ने कहा- चुनाव आयोग को अपना भरोसा कायम रखना जरूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बिजनौर। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर आजाद समाज पार्टी के संस्थापक और नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि ज्ञानेश कुमार के कार्यकाल में हुए सारे चुनाव की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए. क्योंकि उनके समय में जितने भी चुनाव हुए हैं सब में खेल किया गया है। इसके साथ ही उन्होंने उनके इस्तीफा की भी मांग की है।

चंद्रशेखर ने कहा कि भारत लोकतांत्रिक देश है। यहां सभी को अपना वोट देने का अधिकार है, लेकिन आप उनके अधिकारों पर सवाल खड़े हो रहे हैं ऐसे में लोकतंत्र कैसे सुरक्षित रहेगा। चुनाव आयोग को वोटरों के बीच में अपना भरोसा कायम रखना जरूरी है। अगर चुनाव सही तरीके से होते तो डेढ़ महीने तक ईवीएम मशीन की रखवाली करने की जरूरत नहीं पड़ती। वहीं चंद्रशेखर आजाद 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले लखनऊ में शक्ति प्रदर्शन करेंगे। 26 नवंबर को आजाद समाज पार्टी ने सभी कार्यकर्ताओं को लखनऊ में जुड़ने को कहा है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि इस कार्यक्रम में बहुजन समाज पार्टी से ज्यादा लोग जुड़ेंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि रोज एक रुपया जोड़ें, लेकिन 26 नवंबर को लखनऊ जरूर पहुंचें।

जरूरत पड़ने कर मायावती का साथ लेंगे

विधानसभा चुनाव को लेकर के बसपा प्रमुख मायावती को समर्थन देने के सवाल पर चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि अगर बहन जी के पास सरकार बनाने की शक्ति हुई और उन्हें समर्थन की जरूरत पड़ी तो वह जरूर समर्थन करेंगे। वही, उत्तर प्रदेश में छात्रसंघ चुनाव बहाल करने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि छात्र राजनीति से ही युवा आगे चलकर बड़ी राजनीति में आते हैं।

यूपी में विस चुनाव, लगेंगे अपने-अपने दांव

सियासी दलों में गठबंधन को लेकर उभरे मतभेद

- चंदा चोरी पर आए एसआईटी की रिपोर्ट को लेकर सियासी बवाल
- कांग्रेस ने जांच प्रक्रिया पर उठाए सवाल
- जानबूझकर मामले में कार्रवाई में देरी की जा रही है : जयराम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। यूपी में विस चुनाव पर सियासी माहौल गरमाने लगा है। जहां एसआईटी की रिपोर्ट सामने आने के बाद सियासी बवाल मच गया है। वहीं विपक्ष व सत्ता पक्ष में गठबंधन को लेकर भी बहस शुरूहो गई। जहां भाजपा के सहयोगी उसे आखें दिखाने लगे वहीं सपा व कांग्रेस में बात अभी पूरे नतीजे पर नहीं पहुंच पाई है हालांकि छोटे दलो से सपा व कांग्रेस में मेल मुलाकात शुरूहो चुका है। उधर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सरकार और जांच प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मामले में कार्रवाई में देरी की जा रही है और बड़ी मछलियों को बचाने की आशंका बनी हुई है।

जयराम रमेश ने अपने बयान में इसे चंदा चोरी, आस्था धोखा बताया और सरकार से कई सवाल पूछे। बता दें अयोध्या के श्रीराम मंदिर में चढ़ावे की रकम में कथित गड़बड़ी के मामले में एसआईटी की जांच रिपोर्ट में कई और अहम जानकारियां सामने आई हैं। एसआईटी के मुताबिक, मंदिर के तीर्थयात्री सुविधा केंद्र स्थित काउंटिंग रूम की सीसीटीवी फुटेज और दूसरे डिजिटल साक्ष्यों की जांच की गई। इसमें बिना अनुमति नकदी हटाने या छिपाने की 105 घटनाएं सामने आई हैं। मामले में अब तक 173 गवाहों के बयान दर्ज किए जा चुके हैं और आठ आरोपियों की पहचान की गई है। एसआईटी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि मामले में 25 सितंबर तक चार्जशीट दाखिल की जाएगी। जयराम रमेश ने सवाल उठाया कि श्रीराम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी के मामले में बड़ी मछलियों पर अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई? उनसे कड़ी पूछताछ कब होगी? उन्होंने यह भी सवाल किया कि अगर असली दोषियों को बचाए जाने की आशंका है तो सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच से कौन और क्यों बचना चाहता है?

कांग्रेस को 45 से 50 सीट से ज्यादा नहीं देने के मूड में है सपा, इस आधार पर टिकट बांटने की है तैयारी

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव नजदीक आने के साथ ही समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर चर्चा तेज हो गई है। कांग्रेस 100 से अधिक सीटों पर दावा कर रही है, जबकि सपा नेतृत्व ने संकेत दिया है कि सीटों का बंटवारा संख्या के आधार पर नहीं, बल्कि उम्मीदवार की मजबूती और जीत की संभावनाओं के आधार पर होगा। ऐसे में कांग्रेस के हिस्से में 40-50 सीटें आने की चर्चा है। उत्तर प्रदेश में अगले साल की शुरुआत में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। चुनाव आयोग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। वहीं, इंडिया गठबंधन के प्रमुख घटक सपा और कांग्रेस ने भी विधानसभा स्तर पर संगठन को सक्रिय करना शुरू कर दिया है। वर्ष 2022 में सपा और कांग्रेस ने अलग-अलग चुनाव लड़ा था। सपा ने 111 सीटें जीती थीं। उस समय सपा गठबंधन में शामिल राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) ने 8 और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) ने 6 सीटें जीती थीं। बाद में दोनों दल सपा से अलग हो गए। कांग्रेस को 2022 में सिर्फ दो सीटों पर जीत मिली थी।

एआईएमआईएम प्रमुख ने सबको एक साथ आने को कहा

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश में भाजपा को सत्ता में आने से रोकने की कोशिश कर रहे दलों के साथ गठबंधन के विकल्प पर विचार कर सकती है। ओवैसी ने रविवार को कानपुर में एक जनसभा में कहा था कि उनकी पार्टी भी उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार नहीं चाहती और भाजपा को रोकने के इच्छुक दल एआईएमआईएम के साथ हाथ मिला सकते हैं।

'बड़ी मछलियों को बचाने की आशंका'

जयराम रमेश ने एसआईटी की रिपोर्ट के बाद सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि देश की जनता को ऐसी एसआईटी और सरकारी चार्जशीट पर भरोसा नहीं है, जिसमें बड़ी मछलियों को बचाने की आशंका हो। उन्होंने कहा कि पहले चढ़ावे की चोरी की 70 घटनाओं की बात सामने आई थी, लेकिन अब जांच में सीसीटीवी के जरिए 105 घटनाएं सामने आने की बात कही जा रही है। जयराम रमेश ने सवाल किया कि आखिर चार्जशीट दाखिल करने में देरी क्यों हुई? क्या इस देरी के जरिए बड़े आरोपियों पर कार्रवाई से ध्यान हटाने की कोशिश की जा रही है? उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में चंदा चोरी, आस्था धोखा लिखा। साथ ही भाजपा नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि देखो ओ बीजेपी वालो, तुम ये काम न करो, राम का नाम बदनाम न करो, बदनाम न करो!

राहुल ही पूरे देश में विपक्ष की आवाज है : मसूद

इमरान मसूद ने कहा, ''केवल राहुल गांधी ही पूरे देश में विपक्ष की आवाज हैं, जिनसे भाजपा घबराती है। राहुल जी ने कठिन परिश्रम किया है और अनुकूल माहौल बनाया है। इसलिए राहुल जी के बिना कुछ भी संभव नहीं है।'' मसूद इससे पहले सपा के साथ रहे हैं और वह सीट बंटवारे पर जल्द निर्णय लेने की वकालत करते रहे हैं। उन्होंने गठबंधन में कांग्रेस को ''बड़ा भाई'' बताया। हालांकि, सपा नेता लगातार कहते रहे हैं कि गठबंधन की रूपरेखा राहुल गांधी और अखिलेश यादव तय करेंगे।

कांग्रेस कर रही है 10 सीटों का दावा

कांग्रेस नेताओं का तर्क है कि 2017 में सपा-कांग्रेस गठबंधन के तहत कांग्रेस ने 100 से अधिक सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे, इसलिए इस बार भी उसे 100 से अधिक सीटें मिलनी चाहिए। हालांकि, 2017 में यह गठबंधन भाजपा के हाथों सत्ता हासिल नहीं कर सका। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पहले ही कह चुके हैं कि सवाल सीटों की संख्या का नहीं, बल्कि जीत का है।

गठबंधन में नेतृत्व को लेकर सपा व कांग्रेस सांसदों में तकरार

उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस के दो नेताओं के बीच प्रदेश में गठबंधन के नेतृत्व की भूमिका को लेकर अलग-अलग राय सामने आई। कैराना से समाजवादी पार्टी (सपा) की सांसद इकरा हसन और सहारनपुर से कांग्रेस सांसद इमरान मसूद दोनों 24 के लोकसभा चुनाव में 'इंडिया' गठबंधन के तहत निर्वाचित हुए थे। हालांकि विधानसभा चुनाव में गठबंधन के नेतृत्व को लेकर दोनों नेता आपस में भिड़ गये। दोनों नेताओं ने भाजपा का मुकाबला करने के लिए अपनी-अपनी पार्टी के नेताओं को महत्वपूर्ण बताया।

राजभर-निषाद का प्रस्ताव लाने पर भी कार्रवाई

राजनीतिक हलकों में सुभासपा प्रमुख ओमप्रकाश राजभर और निषाद पार्टी प्रमुख संजय निषाद के एनडीए से अलग होने की अटकलें समय-समय पर सामने आती रही हैं। दोनों उत्तर प्रदेश की योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं और उनके दल एनडीए का हिस्सा हैं। सपा के एक प्रमुख रणनीतिकार के अनुसार, पार्टी नेतृत्व ने पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को स्पष्ट संदेश दिया है कि सुभासपा या निषाद पार्टी से गठजोड़ का प्रस्ताव लाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ तत्काल संगठनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

'केवल अखिलेश यादव भाजपा को हराने में सक्षम हैं : इकरा हसन

वहीं, इकरा हसन ने गठबंधन की संभावनाओं को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव की भूमिका को अहम बताया। उन्होंने कहा, ''केवल अखिलेश यादव भाजपा को हराने में सक्षम हैं। कांग्रेस अपने बल पर बहुत अधिक कुछ हासिल नहीं कर पाएगी।'' दोनों दलों के वरिष्ठ नेताओं की ओर से एकजुटता बनाए रखने के बयानों के बावजूद स्थानीय नेताओं की अलग-अलग टिप्पणियां गठबंधन के भीतर नेतृत्व को लेकर मतभेदों को दर्शाती हैं।

224 का लोकसभा चुनाव दोनो को मिला था लाभ

सपा और कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश में 224 का लोकसभा चुनाव साथ मिलकर लड़ा था और कुल 43 सीट पर जीत दर्ज की थी। इन 43 सीट में से सपा ने 37 और कांग्रेस ने छह सीट पर जीत हासिल की थी। गठबंधन ने फैजाबाद सीट पर भी जीत हासिल की थी, जो 2019 में भाजपा के पास थी।

आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल, जिला जज से बातचीत के बाद अधिवक्ताओं ने शुरू किया काम

अयोध्या स्थित राम मंदिर में चढ़ावा चोरी प्रकरण की जांच पूरी होने के बाद बुधवार को पुलिस ने जेल में निरुद्ध आठ आरोपियों के खिलाफ अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी। चार्जशीट दाखिल किए जाने की जानकारी मिलते ही अधिवक्ताओं ने कार्य बहिष्कार शुरू कर दिया। अधिवक्ताओं का कहना था कि पहले उनकी आपत्ति सुनी जानी चाहिए, इसके बाद ही चार्जशीट दाखिल की जाए। इसको लेकर कोर्ट परिसर में गहमागहमी का माहौल बना रहा। अधिवक्ताओं ने चढ़ावा चोरी प्रकरण में राम मंदिर ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय, डॉ. अनिल मिश्र और गोपाल राव के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर पहले ही तहरीर दे रखी है। पुलिस की चार्जशीट में जेल में निरुद्ध टिन्नू यादव, करुणेश, मनीष, सुभाष चंद्र श्रीवास्तव, रमाशंकर, अनुकल्प मिश्र और लवकुश मिश्र समेत आठ आरोपियों के खिलाफ आरोपों का उल्लेख किया गया है। अब चार्जशीट में ट्रस्ट पदाधिकारियों और बैंककर्मियों की भूमिका को लेकर क्या तथ्य दर्ज किए गए हैं, इस पर सभी की निगाहें टिकी हैं। कुछ देर बाद, जिला जज की मध्यस्थता के बाद अधिवक्ता वापस लौटे और विशेष न्यायाधीश कोर्ट पहुंचे। पांच अधिवक्ता कोर्ट के अंदर गए, बाकी कोर्ट के बाहर रुक गए। चार्ज सीट पढ़ने के बाद वह लोग वापस लौटे।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_SanjayS

पहाड़ों को प्रदूषण से बचाना होगा

हिमालय केवल बर्फ से ढकी पर्वत-शृंखला नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन, जल, कृषि, ऊर्जा और पर्यावरण का आधार है। लेकिन जलवायु परिवर्तन और पहाड़ों की वहन-क्षमता की अनदेखी करते हुए हो रहे निर्माण ने हिमालयी क्षेत्र को एक ऐसे संकटभरे दौर में पहुंचा दिया है, जहां प्राकृतिक आपदाएं अब केवल अचानक आने वाली घटनाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि उनके पीछे लंबे समय से बन रही पर्यावरणीय अस्थिरता दिखाई देने लगी है।

अभी हाल में नेपाल में ग्लेशियर के ढहने से हजारों लोगों की जान चली गई थी। 26 अगस्त 26 को नेपाल में हुई विनाशकारी रॉक-आइस अवलांच और उसके बाद आई मलबा-बाढ़ ने इस खतरे को अत्यंत भयावह रूप में सामने रखा है। विश्व मौसम विशेषता अध्ययन के अनुसार उस घटना में 1,300 से अधिक लोगों की मौत हुई और 5,000 से अधिक लोग लापता रहे। वैज्ञानिकों ने इसे केवल किसी एक मौसमीय घटना का परिणाम न मानकर जलवायु और भूगर्भीय कारकों के सम्मिलित प्रभाव से बनी त्रासदी बताया है। एक बहुत बड़ा कारण पहाड़ों पर बढ़ता प्रदूषण भी है। हिमालय केवल बर्फ से ढकी पर्वत-शृंखला नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन, जल, कृषि, ऊर्जा और पर्यावरण का आधार है। लेकिन जलवायु परिवर्तन और पहाड़ों की वहन-क्षमता की अनदेखी करते हुए हो रहे निर्माण ने हिमालयी क्षेत्र को एक ऐसे संकटभरे दौर में पहुंचा दिया है, जहां प्राकृतिक आपदाएं अब केवल अचानक आने वाली घटनाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि उनके पीछे लंबे समय से बन रही पर्यावरणीय अस्थिरता दिखाई देने लगी है।

नेपाल की घटना को समझना इसलिए जरूरी है क्योंकि यह परंपरागत अर्थों में केवल ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड नहीं थी। लैंगटांग लिरुंग पर्वत से करीब 5,150 मीटर की ऊंचाई से चट्टान और बर्फ का विशाल हिस्सा टूटकर नीचे गिरा और आगे चलकर मलबे तथा पानी की भयावह बाढ़ में बदल गया। वैज्ञानिक विश्लेषण के मुताबिक गर्म होते वातावरण, ग्लेशियरों के पतले होने, पर्माफ्रॉस्ट के पिघलने और पहले से मौजूद भूगर्भीय कमजोरियों ने पहाड़ी ढलान की स्थिरता को प्रभावित किया। 26 अगस्त की घटना में चट्टान, बर्फ और मलबे का प्रवाह इतनी तेजी से नीचे आया कि उसने रास्ते में बसे क्षेत्रों, पुलों, सड़कों और जलविद्युत ढांचे को भारी नुकसान पहुंचाया। यह त्रासदी हिमालय के लिए एक गंभीर संकेत इसलिए भी है क्योंकि ग्लेशियर के पीछे हटने के साथ नई ग्लेशियल झीलें बन रही हैं और पुरानी झीलों का आकार बढ़ रहा है। इन झीलों को रोकने वाले प्राकृतिक बांध यदि बर्फ, चट्टान, मलबे, भूस्खलन या जल-दबाव से टूटते हैं तो कुछ ही समय में नीचे की घाटियों में विनाशकारी बाढ़ पहुंच सकती है। भारत के लिए यह चेतावनी बिल्कुल प्रासंगिक है। सिक्किम में हालिया आकलन में 40 उच्च-जोखिम वाली ग्लेशियल झीलों की पहचान हुई है, जिनमें 16 को सर्वाधिक जोखिम वाली श्रेणी में रखा गया है। राज्य सरकार और केंद्रीय एजेंसियां अब रिमोट सेंसिंग, फील्ड स्टडी, जल-स्तर एवं डिस्चार्ज मॉनिटरिंग और अर्ली-वॉर्निंग सिस्टम को मजबूत करने की दिशा में काम कर रही हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

खाद्य आपूर्ति शृंखला को मजबूत बनाएं सरकारें

ज्ञानेंद्र रावत

प्रशांत महासागर में जिस तरह गर्मी ने अलनीनो को ताकतवर बना दिया है, उसका असर अगले साल फरवरी से पहले खत्म होने की उम्मीद नहीं है। अगले कुछ महीनों तक तापमान और बारिश का मिजाज सामान्य रहने की उम्मीद भी बेमानी है। कहीं तेज बारिश, कहीं तेज गर्मी और कहीं बाढ़ जैसी मौसमी घटनाएं इसका संकेत दे ही चुकी हैं। इसका असर सर्दियों पर भी पड़ने की आशंका है। डब्ल्यूएमओ के अनुसार, प्रशांत महासागर में अगस्त महीने में तापमान सामान्य से 2.2 से 2.6 डिग्री अधिक हो गया। यही नहीं, समुद्र की गहराई में भी कई हिस्सों में पानी सामान्य से आठ डिग्री अधिक गर्म पाया गया है। इसी गर्मी ने अलनीनो को और ताकत दी है। डब्ल्यूएमओ की मानें तो सितंबर से नवंबर तक दुनिया के सभी हिस्सों में सामान्य से अधिक तापमान रहने की आशंका है। पहले से ही धरती पर पड़ रही गर्मी के बीच अलनीनो के असर से तापमान और बढ़ सकता है।

इस कारण बारिश और तापमान वृद्धि के साथ-साथ सूखे और बाढ़ का खतरा भी बढ़ जाएगा। दरसअल, प्रशांत महासागर का पानी गर्म होने पर भारत की ओर आने वाली हवाओं के दबाव और उनकी दिशा में बदलाव आता है। इससे बादलों की आवाजाही और बारिश के रास्ते में भी परिवर्तन होता है। यही कारण है कि इसका असर हजारों किलोमीटर दूर स्थित भारत जैसे देशों के मौसम पर भी पड़ता है। भारत में कम बारिश होने पर भी अलनीनो का प्रभाव बना रह सकता है। बीता अगस्त इसका उदाहरण है, जब सामान्य से 16 प्रतिशत कम बारिश हुई और सितंबर का पहला पखवाड़ा भी अगस्त की तरह ही रहा। यदि हिंद महासागर में विकसित होने वाला इंडियन ओशन डाइपोल आने वाले दिनों में पॉजिटिव हुआ तो अलनीनो की चपेट में आए मानसून को और नई ताकत मिल सकती है। यह भी माना जाता है कि अलनीनो से हवाओं की ताकत घटती है और अनेक इलाकों में बारिश सामान्य से कम रह जाती है। हालांकि, यह भी कटु सत्य है कि भारत का मानसून केवल अलनीनो से निर्धारित नहीं होता।

बंगाल की खाड़ी में बनने वाले कम दबाव के क्षेत्र, मानसूनी टर्फ की स्थिति और हिंद महासागर की परिस्थितियां भी बारिश की मात्रा और उसके वितरण को काफी हद तक प्रभावित करती हैं। कई बार कुल बारिश बहुत कम नहीं होती, लेकिन उसका समय और क्षेत्रीय वितरण असंतुलित हो जाता है। इससे देश के कई राज्यों में बुआई, अंकुरण और फसलों की शुरुआती बढ़ोतरी प्रभावित

होती है। कई बार मजबूत अलनीनो के दौरान भी देश के कुछ इलाकों में अधिक बारिश होती है। यह काफी हद तक आईओडी की स्थिति पर निर्भर करता है कि वह पॉजिटिव रहता है या नहीं। अगर वह पॉजिटिव नहीं हुआ तो अलनीनो का दबाव बढ़ सकता है। ऐसी स्थिति में मध्य भारत, उत्तर-पश्चिम भारत और प्रायद्वीपीय क्षेत्रों में बारिश सामान्य से भी कम रहने का खतरा बना रहेगा। इस बार केंद्र सरकार का जोर जिलावार मौसम की निगरानी पर है। अलनीनो का खतरा केवल मौसम का मुद्दा नहीं है, बल्कि वह उत्पादन, खाद्य कीमतों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से भी जुड़ा है। अलनीनो का असर केवल मानसून तक सीमित नहीं रहेगा। इसके मजबूत रहने पर सर्दियों में भी तापमान सामान्य से अधिक रहने की आशंका है। समूचे उत्तर भारत में सर्दियों के छोटे होने और फरवरी-मार्च में गर्मी बढ़ने का रुझान पहले से दिखाई दे रहा है। इस हकीकत से भी मुंह नहीं मोड़ा जा सकता कि 2022-24 के मजबूत अलनीनो ने पहले से गर्म हो रहे ग्रह के तापमान में वृद्धि में नकारात्मक भूमिका निभाई और 2024 को दुनिया के सबसे गर्म वर्ष के रूप में दर्ज कराया। दरसअल, अलनीनो जैसी चक्रीय जलवायु घटनाएं हर तीन से सात साल में होती हैं। इनकी पुनरावृत्ति पूरी दुनिया के लिए मुश्किलें खड़ी कर रही है। इनका सर्वाधिक असर भूमध्यरेखीय और उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों पर पड़ता है। भारत में कर्नाटक और पंजाब जैसे राज्यों में भी इनका प्रभाव देखा जाता है। ये घटनाएं मानसून के मिजाज को काफी हद तक प्रभावित कर सकती हैं। ऐसी स्थिति में समय रहते चेतावनी देने वाले डेटा को आपस में साझा करना और सीमाओं के पार पारदर्शी वैज्ञानिक सहयोग बढ़ाना बेहद जरूरी है।

सूखे से लड़ने वाली फसलों के बीजों को साझा करना और पानी के भंडारों को सुरक्षित रखना भी आवश्यक है। अलनीनो को लेकर अब हमारी सरकार अलर्ट मोड पर है। लेकिन ये चक्रीय जलवायु घटनाएं दुनिया को चेतावनी है कि वे अपने राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर खाद्य सुरक्षा को प्राथमिकता दें और आपदा प्रबंधन में पर्याप्त निवेश करें। इस बाबत संयुक्त राष्ट्र का सेंडाई फ्रेमवर्क भी आपदा जोखिम को कम करने और वैश्विक विकास लक्ष्यों में जलवायु लचीलेपन को शामिल करने पर विशेष जोर देता है।

पंजाबियों की विवेकशीलता की परीक्षा होंगे आसन्न चुनाव

अश्विनी कुमार

अगले वर्ष के आरंभ में होने वाले पंजाब विधानसभा चुनाव राज्य के उथल-पुथल भरे राजनीतिक इतिहास में एक निर्णायक मोड़ साबित हो सकते हैं। वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य को देखते हुए, आगामी चुनाव राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के तौर-तरीकों और समीकरणों को नए सिरे से परिभाषित कर सकते हैं। स्वतंत्रता के बाद पहली बार पांच प्रमुख राजनीतिक दल सत्ता के लिए चुनावी मैदान में आमने-सामने होंगे। सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी यानी आप को चुनौती देने वाले चार विपक्षी दलों में 'वारिस पंजाब दे' भी शामिल है। यह एक नवोदित राजनीतिक संगठन है, जिसने अपने सुधारवादी तेवर और राजनीतिक बदलाव के वादे के कारण ग्रामीण सिख युवाओं के बीच उल्लेखनीय समर्थन हासिल किया है। यह स्थिति पारंपरिक राजनीतिक दलों के प्रति घटती जन-रुचि का भी संकेत देती है।

पंजाब की अस्मिता से जुड़े मुद्दों से काफी हद तक लोकप्रियता हासिल करने वाला यह नया राजनीतिक दल अन्य दलों, विशेषकर अकाली दल, के मत प्रतिशत में सेंध लगा सकता है। हालांकि, संभवत: वह सत्तारूढ़ दल के लिए गंभीर चुनौती पेश करने की स्थिति में न हो। फिर भी, चुनावी मैदान में इसकी स्पष्ट उपस्थिति ने पंजाब के राजनीतिक संतुलन को प्रभावित किया है और उग्र राजनीति की वापसी को लेकर आशंकाओं को फिर से जन्म दिया है। राजनीतिक प्रासंगिकता पुन: हासिल करने का प्रयास कर रहे अकाली दल का सिमटता प्रभाव, तेजी से उभरती भाजपा और कांग्रेस द्वारा स्वयं को पहुंचाया गया राजनीतिक नुकसान इन सभी ने मिलकर पंजाब की राजनीति का चेहरा बदला है। इसके साथ ही, अकाली दल और भाजपा के बीच संभावित गठबंधन चुनाव से पहले और चुनाव के बाद के राजनीतिक समीकरणों को पूरी तरह बदल सकता है। यह गठबंधन आप के सामने प्रमुख चुनौती के रूप में उभर सकता है। इन परिस्थितियों में, खंडित जनादेश और उससे पैदा होने वाली राजनीतिक अस्थिरता की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। विभिन्न विकास सूचकांकों पर पंजाब की आ रही गिरावट को तब तक पलटा नहीं जा सकता, जब तक राज्य के पुनर्निर्माण और नवोदय के लिए महत्वपूर्ण नीतियों पर व्यापक राजनीतिक सहमति न बने।

जमीनी परिस्थितियां और एक सुदृढ़ लोकतंत्र की आवश्यकताएं राजनीतिक संवाद में शालीनता तथा संबंधों में मर्यादा-सौहार्द की मांग करती हैं। राजनीतिक नेताओं के बीच संवाद के सौहार्दपूर्ण माध्यम बने रहना आवश्यक है, क्योंकि राज्य के विकास के लिए विवेकपूर्ण नीतियों पर व्यापक सहमति बनाने हेतु नेताओं के बीच सहयोग और सामंजस्य अनिवार्य है। सोशल मीडिया पर राजनीतिक नेताओं के बीच सार्वजनिक रूप से होने वाली कटु और अस्वस्थ बहसें, जो अब एक अंतहीन तमाशे का रूप ले चुकी हैं, उनकी व्यक्तिगत विश्वसनीयता को कमजोर कर रही हैं। किसी की प्रतिष्ठा-गरिमा को कलंकित करना लोकतांत्रिक संवाद के मूल सिद्धांतों का उल्लंघन है।

हिंसक या भय उत्पन्न करने वाले स्वर में दिया गया वक्तव्य लोकतंत्र की उस सौम्यता और प्रभावकारी शक्ति को कमजोर करता है, जो राजनीतिक और सामाजिक जीवन को व्यवस्थित करने में उसकी केंद्रीय विशेषताएं हैं। इसलिए अब समय आ गया है कि सार्वजनिक संवाद का स्तर ऊंचा उठाया जाए। एक जीवंत और समृद्ध राज्य के रूप में पंजाब के पुनरुत्थान के लिए उदार और विशाल हृदय वाले नेतृत्व की आवश्यकता है। आज पंजाब को ऐसा नेता चाहिए, जो स्वयं से ऊपर उठ सके, वंचित और हाशिये पर खड़े लोगों के प्रति करुणा और संवेदनशीलता को शासन का मूल भाव बना सके, सत्ता-प्राप्ति के आकर्षण का प्रतिरोध कर सके। हमें ऐसे नेता चाहिए, जो दमनकारी अधिकार को अपनी शक्ति न समझें और ऐसे लोगों से दूरी बनाए रखें, जिनका नेतृत्व का दावा शक्ति-प्रदर्शन और समर्थकों के रूप में प्रस्तुत होने वाले सत्ता के दलालों की चाटुकारिता पर टिका हो। जनता के अन्याय और पीड़ा के प्रति उदासीन अहंकारी सत्ता का प्रतिरोध करना एक निर्विवाद नैतिक दायित्व है। लोकतंत्र अंतत: उन्हीं नेताओं के कारण टिकता है, जो शोषित और कमजोर लोगों की आंखों में छलकने से रह गए आंसुओं को देख सकें और उनकी दबी हुई आहों को सुन सकें। पंजाब की वीर और जीवट जनता, जो गुरुओं की शिक्षाओं से प्रेरणा लेती है।

एक जीवंत लोकतंत्र की वास्तविक कसौटी उसकी प्रक्रियाओं की शुचिता है ऐसी प्रक्रियाएं, जो विचारों की स्वतंत्र प्रतिस्पर्धा के माध्यम से प्रेरणादायी नेतृत्व को जन्म दे सकें। ऐसा नेतृत्व 'चतुर व्यक्ति के अहंकार' पर नहीं, बल्कि मानवीय स्थिति की समग्र समझ पर आधारित होना चाहिए। हम जानते हैं कि लोकतंत्र हमारे समय के नैतिक प्रश्नों पर सार्वजनिक तर्क-विमर्श का नाम है। पंजाब जब अपनी खोई हुई प्रतिष्ठा को पुन: प्राप्त करने के लिए संघर्ष कर रहा है, तब उसे ऐसे नेताओं के नेतृत्व वाली सरकार की आवश्यकता है, जिनमें 'दुस्साहसी आदर्शवाद' हो; ऐसे नेता जो ऐसी दिशा तय कर सकें, जिससे लोगों में आशा का संचार हो। साथ ही, रोजगार सृजन, नशे की समस्या से निपटने के लिए सार्थक नीतियों, राज्य की शक्ति के घोर दुरुपयोग और उच्च स्तर पर भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश, राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था के पुनर्गठन से जुड़े जटिल प्रश्नों पर विचारपूर्ण दृष्टिकोण, पर्यावरण संरक्षण तथा साझी विरासत पर आधारित सामाजिक सौहार्द के संरक्षण के माध्यम से उस आशा को ठोस रूप दिया।

घर में कौए का आना

पितृ पक्ष में कौए का विशेष महत्व होता है। यदि पितृ पक्ष के दौरान कौआ आपके घर में आकर भोजन ग्रहण करता है तो इसका अर्थ यह है कि आपके पूर्वज आपके आसपास मौजूद है और वह आपको अपना आशीर्वाद दे रहे हैं। इसलिए पितृपक्ष में रोजाना कौए के लिए भोजन निकालना चाहिए। ऐसा करने पर आपके ऊपर पितरों की दया दृष्टि बनी रहती है।

पितृ पक्ष में करें ब्राह्मणों को दान

धन-समृद्धि का आशीर्वाद देंगे पितर

पितृ पक्ष में कुछ खास चीजें खरीदने और उनका दान करने से पूर्वज बहुत प्रसन्न होते हैं। परिवार में खुशियां आती है। पितृ पक्ष में जौ की खरीदारी करने से अन्न-धन के भंडार कभी खाली नहीं होते। जौ को धरती का पहला अनाज माना गया है. धार्मिक दृष्टि से इसे सोने के समान माना जाता है। पितृ पक्ष में जौ का दान स्वर्ण दान के समान फल प्रदान करता है। इससे पितृ दोष दूर होता है। श्राद्ध पक्ष में पितरों के निमित्त सरसों के तेल का दीपक लगाना चाहिए. इससे वे तृप्त होते हैं। इन 15 दिनों में सरसों और चमेली के तेल का दान करने से घर में धन-संपत्ति की समस्या दूर होती है।

कोई भी श्राद्ध काले तिल के बिना अधूरा माना जाता है। तर्पण के समय हाथ में जल और काला तिल लेकर ही पूर्वजों को जल अर्पित किया जाता है। पितृ पक्ष में काला तिल घर लाने और दान करने से वंश का विस्तार होता है। संतान सुख मिलता है। कुश की उत्पत्ति श्रीहरि विष्णु के रोम (बाल) से हुई है। श्राद्ध में कुशा बहुत महत्वपूर्ण सामग्री होती है। कुशा की अंगूठी पहनकर ही पूर्वजों का तर्पण करते हैं। इसके बिना वह जल स्वीकार नहीं करते। ऐसे में पितृ पक्ष में कुश घर लाने से परिवार में खुशहाली आते हैं। इसके प्रभाव से माहौल सकतारात्मक रहता है। बिगड़े काम बन जाते हैं। चावल को चांदी के समान माना जाता है। पितरों को ध्यान करके कच्चे चावल का दान करना चाहिए। इससे आपके आर्थिक तंगी दूर होती है।

पितृ पक्ष की आरंभ तिथि

2026 में श्राद्ध 26 सितंबर से शुरू होकर 10 अक्टूबर तक चलेगा। यह 16 दिनों की अवधि होती है, जिसमें हिंदू धर्म के अनुयायी अपने पितरों की आत्मा की शांति के लिए तर्पण, पिंडदान और श्राद्ध कर्म करते हैं। पितृपक्ष का आरंभ भाद्रपद पूर्णिमा से होता है और इसका समापन आश्विन अमावस्या को होता है, जिसे सर्वपितृ अमावस्या कहा जाता है। इस अवधि में पितर पृथ्वी पर आते हैं और अपने वंशजों से आशीर्वाद की प्रतीक्षा करते हैं। पितरों को संतुष्ट करने के लिए इस समय किए गए श्राद्ध और दान को अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है।

महत्व

हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, हमारी पिछली तीन पीढ़ियों की आत्माएं पितृ लोक में रहती हैं, जिसे स्वर्ग और पृथ्वी के बीच का क्षेत्र कहा जाता है। इस क्षेत्र का नेतृत्व मृत्यु के देवता यम करते हैं। ऐसा माना जाता है जब ऐसा माना जाता है कि जब अगली पीढ़ी का कोई व्यक्ति मर जाता है, तो पहली पीढ़ी को भगवान के करीब लाते हुए स्वर्ग ले जाया जाता है। पितृलोक में केवल अंतिम तीन पीढ़ियों को ही श्राद्ध कर्म दिया जाता है। पितृपक्ष में अपने-अपने पूर्वजों की मृत्यु तिथि के अनुसार उनका श्राद्ध किया जाता है । मान्यता है कि जो लोग पितृपक्ष में पितरों का तर्पण नहीं करते उन्हें पितृदोष लगता है। श्राद्ध करने से उनकी आत्मा को तृप्ति और शांति मिलती है। वे आप पर प्रसन्न होकर पूरे परिवार को आशीर्वाद देते हैं। हर साल लोग अपने पितरों की आत्मा की शांति के लिए गया जाकर पिंडदान करते हैं।

कैसे करें श्राद्ध

श्राद्ध का काम गया में या किसी पवित्र नदी के किनारे भी किया जा सकता है। इस दौरान पितरों को तृप्त करने के लिए पिंडदान और ब्राह्मण को भोजन कराया जाता है। अगर इन दोनों में से किसी जगह पर आप नहीं कर पाते हैं तो किसी गौशाला में जाकर करना चाहिए। घर पर श्राद्ध करने के लिए सुबह सूर्योदय से पहले नहा लीजिए। इसके बाद साफ कपड़े पहनकर श्राद्ध और दान का संकल्प कीजिए। जब तक श्राद्ध ना हो जाए तो कुछ भी ना खाएं। वहीं, दिन के आठवें मुहूर्त में यानी कुतुप काल में श्राद्ध कीजिए। दक्षिण दिशा में मुंह रखकर बाएं पैर को मोड़कर और घुटने को जमीन पर टिकाकर बैठ जाएं। इसके बाद तांबे के लोटे में जौ, तिल, चावल, गाय का कच्चा दूध, गंगाजल, सफेद फूल और पानी डालें। हाथ में कुश लेकर और दल को हाथ में भरकर सीध हाथ के अंगूठे से उसी बरत्र में 11 बार गिराएं। फिर पितरों के लिए खीर अर्पित करें। इसके बाद देवता, गाय, कुत्ता, कौआ और चींटी के लिए अलग से भोजन निकालकर रख दीजिए।

16 दिन के ही क्यों होते हैं श्राद्ध

शास्त्रों के अनुसार, ऐसा माना जाता है कि किसी भी व्यक्ति की मृत्यु इन सोलह तिथियों के अलावा अन्य किसी भी तिथि पर नहीं होती है। यानी कि जब भी पूर्वजों का श्राद्ध किया जाता है तो उनकी मृत्यु तिथि के अनुसार ही करना चाहिए । इसलिए पितृ पक्ष सर्फ सोलह दिन के होते हैं। हालांकि जब तिथि क्षय होता है तब श्राद्ध के दिन 15 भी हो जाते हैं लेकिन बढ़ते कभी नहीं।

हंसना मना है

लड़की वाले लड़का देखने आए, लड़के वाले- आपकी लड़की का क्या नाम है, लड़की वाले- हमारी प्यारी, सबकी प्यारी, रामप्यारी, लड़की वाले- आपके लड़के का क्या नाम है, लड़के वाले- हमारा पी, आपका पी, सबका पी, पप्पू।

संता लड़की से- मुझे तुम्हें एक बात बोलनी है। लड़की- बोलो बाबा, शर्मा क्यों रहे हो? संता- मेरे साथ चाय पे चलोगी? लड़की- अरे नहीं बाबा, मैं नहीं चल सकती क्योंकि चाय गर्म होती है, मेरे हाथ पैर जल गए तो...

टीचर- आज मैं क्विज प्रतियोगिता कर रही हूं सभी बच्चे जल्दी-जल्दी जबाब देना, टीचर- बताओ मधुमक्खी हमें क्या देती है, बच्चा-शहद, टीचर- पतली बकरी क्या देती है, बच्चा- दूध... टीचर- और भैंस हमें क्या देती है, बच्चा- होमवर्क, दे थप्पड़...दे थप्पड़...दे थप्पड़।

मां बेटे से: बेटा क्या कर रहे हो? बेटा: पढ़ रहा हूं मां.. मां: शाबाश! मां: क्या पढ़ रहे हो? बेटा: आपकी होने वाली बहु के एसएमस। फिर क्या था चप्पल के साथ ही दे थप्पड़, दे थप्पड़!

कहानी — लोमड़ी और अंगूर

एक लोमड़ी बहुत भूखी थी। तभी उसकी नजर पास के एक बाग पर पड़ी। उस बाग से बड़ी ही मीठी सुगंध आ रही थी। वह तेजी से बाग की ओर अपने कदम बढ़ाने लगी। उसने मन ही मन सोचा कि इस बाग में कुछ तो होगा, जो उसे खाने को मिलेगा। इसी सोच के साथ वह और तेजी से आगे बढ़ने लगी। जैसे ही वह बाग में पहुंची, तो उसने देखा कि बाग तो अंगूर की बेलों से लदा हुआ है। सभी अंगूर पूरी तरह से पक चुके हैं। अंगूरों की महक से उसने इस बात का अंदाजा लगा लिया कि अंगूर कितने रसदार और मीठे होंगे। उसने झट से अंगूरों को लक्ष्य बनाकर एक लंबी छलांग मारी, लेकिन वह अंगूरों तक पहुंच नहीं सकी और धड़ाम से जमीन पर आ गिरी। उसका पहला प्रयास विफल हुआ। उसने सोचा क्यों न फिर से कोशिश की जाए। वह एक बार फिर जोश से उठी और इस बार उसने अपनी पूरी ताकत से पहले से तेज अंगूरों की ओर छलांग लगा दी, लेकिन अफसोस कि उसका यह प्रयास भी बेकार गया। इस बार भी वह अंगूरों तक पहुंचने में नाकामयाब रही, लेकिन उसने हार नहीं मानी। उसने खुद से कहा कि अगर दो प्रयास विफल हो गए तो क्या, इस बार तो सफलता मुझे मिलकर ही रहेगी। फिर क्या था, इस बार फिर वह दोगुने जोश के साथ खड़ी हुई। इस बार उसने अब तक की सबसे लंबी छलांग लगाने की कोशिश की। उसने अपने शरीर की सारी ताकत को एकत्र कर एक लंबी दौड़ लगाई। उसे लगा था कि इस बार उसे अंगूर पाने से कोई नहीं रोक सकता, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। इस बार का प्रयास भी खाली गया। वह जमीन पर आ गिरी। इतने जतन करने के बावजूद वह एक भी अंगूर हासिल नहीं कर पाई। ऐसे में उसने अंगूर पाने की अपनी आस छोड़ दी और हार मान ली। अपनी विफलता को छिपाने के लिए उसने खुद ही बोला कि अंगूर खट्टे हैं, इसलिए इन्हें मुझे नहीं खाना।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

कार्यक्षेत्र में दोपहर बाद नए अवसर और लाभ मिलने के योग बनेंगे। व्यापारिक योजनाओं में दोपहर के बाद तेजी आएगी, बड़ा लाभ संभव है। ऊर्जा बनी रहेगी।

वृषभ

करियर और दफ्तर के काम में दोपहर बाद तेजी देखने को मिलेगी। कारोबारियों को अधिकारियों का सहयोग मिलेगा, नए सौदों में लाभ होगा। आय के नए स्रोत बनेंगे।

मिथुन

नौकरी में हैं तो इस दिन स्थितियां आपके पक्ष में आने लगेंगी, राहत महसूस होगी। कारोबारी हैं तो भाग्य का साथ मिलने से रुके हुए काम धीरे-धीरे पूरे होंगे।

कर्क

दोपहर के बाद अष्टम चंद्र का प्रभाव शुरू होने से सतर्क रहने की जरूरत है। दफ्तर की गॉसिप से दूर रहें, विरोधी हावी हो सकते हैं। अचानक कोई बड़ा खर्च आ सकता है।

सिंह

व्यापारिक मामलों में साझेदारी से अच्छा लाभ मिलने के योग हैं। नौकरी-पेशा जातकों को टीम वर्क से बड़ी सफलता मिलेगी। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर रहेंगे।

कन्या

दोपहर बाद कार्यस्थल पर आपके काम की सराहना होगी, विरोधी परास्त होंगे। कारोबारी हैं तो पुराने रुके हुए काम निपटाने में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

तुला

नौकरी-पेशा हैं तो इस दिन मन थोड़ा चंचल या दुविधा में रह सकता है। व्यापारिक फैसलों में जल्दबाजी न करें, अनुभवी लोगों की सलाह लें। खर्चों पर नियंत्रण जरूरी होगा।

वृश्चिक

नौकरी-पेशा हैं तो थोड़ा धैर्य बनाकर रखें। कारोबारी हैं तो बहस से बचें, शांति से काम निपटाएं। घरेलू मामलों में जीवनसाथी की राय जरूर लें।

धनु

नौकरी-पेशा के पराक्रम और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। व्यापार में नए अवसर मिलेंगे, छोटी यात्राएं फलदायी रहेंगी। भाई-बहनों और दोस्तों का सहयोग मिलेगा।

मकर

नौकरी-पेशा हैं तो वितीय मामलों में सोच-समझकर कदम बढ़ाएं। व्यापारिक लेनदेन में पारदर्शिता रखें। पारिवारिक माहौल खुशनुमा रहेगा, अपनों का साथ मिलेगा।

कुम्भ

नौकरी-पेशा हैं तो उत्साह और ऊर्जा बढ़ेगी। कारोबारी हैं तो आपके सोचे हुए कार्य पूरे होने लगेंगे, नए विचार आएंगे। लव लाइफ में मिठास बढ़ेगी, आकर्षण बना रहेगा।

मीन

दफ्तर में अपने काम पर ध्यान दें, दूसरों के विवाद में न पड़ें। कारोबारी हैं तो फिजूलखर्चों में बढ़ोतरी हो सकती है, बजट संभालें। नींद पूरी लें और ध्यान करें।

रईसी में अभी भी कायम है किंग खान का जलवा

शाहरुख खान स्टारडम के मामले में ही नहीं, रईसी के मामले में भी भारत के टॉप एक्टर हैं और हुरुन रिच लिस्ट में एक बार फिर उनका दबदबा देखने को मिला है। हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2026 में पिछले साल की तरह इस बार भी किंग खान का दबदबा देखने को मिला। जारी लिस्ट के अनुसार, शाहरुख खान की नेटवर्थ में पिछले साल की तुलना में 2490 करोड़ की गिरावट आई है, इसके बाद भी वह देश के सबसे अमीर एक्टर की गद्दी पर कायम हैं। पिछले साल जहां शाहरुख खान की नेटवर्थ 12,490 करोड़ थी तो वहीं इस साल उनकी नेटवर्थ 10,000 रुपये है। इसमें उनकी प्रोडक्शन कंपनी रेड चिलीज एंटरटेनमेंट, आईपीएल टीम और अन्य कारोबार से होने वाली कमाई भी शामिल है।

किंग खान की नेटवर्थ में हुई गिरावट

शाहरुख खान ने जहां 10,000 करोड़ की नेटवर्थ के साथ अब भी रईसों की लिस्ट में अपना दबदबा कायम रखा है तो वहीं दूसरे नंबर पर बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन हैं। 4000 करोड़ की नेटवर्थ के साथ अमिताभ बच्चन ने दूसरे नंबर पर अपनी जगह बनाई है। वहीं बॉलीवुड के दबंग सुपरस्टार सलमान खान की नेटवर्थ 3000 करोड़ बताई गई है, जिसके साथ उन्होंने तीसरे नंबर पर जगह बनाई है और 2,500 करोड़ की नेटवर्थ के साथ ऋतिक रोशन चौथे नंबर पर हैं।

शाहरुख खान पिछले साल भी देश के सबसे रईस एक्टर की गद्दी पर काबिज थे। पिछले साल उनकी नेटवर्थ 12,490 करोड़ बताई गई थी। यानी देखा जाए तो इस साल उनकी कमाई में 2490 करोड़ की गिरावट आई है। हुरुन इंडिया रिच लिस्ट के अनुसार, 2025 में शाहरुख खान की नेटवर्थ 12,490 करोड़ रुपये बताई गई थी, जो अब घटकर 10,000 करोड़ रह गई है। वहीं इस साल की शुरुआत में जारी हुई हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट में शाहरुख खान की नेटवर्थ 10,800 करोड़ आंकी गई थी।

मृणाल की मदद को आईं हुमा कुरैशी

मृणाल ठाकुर की अदाकारी वाली अपकमिंग फिल्म पूजा मेरी जान इस अक्तूबर ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले दिनेश विजान और अमर कौशिक द्वारा प्रोड्यूस की गई यह फिल्म एक ड्रामा है। यह दर्शकों को कुछ असहज सच का सामना कराने की कोशिश करती है। इसमें हुमा कुरैशी और विजय राज भी हैं।

फिल्म पूजा मेरी जान का रिलीज हुआ ट्रेलर

दो मिनट 18 सेकेंड के ट्रेलर में दिखाया गया है कि पूजा (मृणाल ठाकुर) अपने एक करीबी दोस्त के रोमांटिक प्रस्ताव को ठुकरा देती है। इसके बाद वह खुदकुशी कर लेता है। इसके बाद परेशान करने वाली घटनाओं का एक सिलसिला शुरू हो जाता है। सारे इल्जाम पूजा पर लगते हैं। उसे ही कटघरे में खड़ा किया जाता है। ट्रेलर देख कर लगता है कि फिल्म पूजा के साथ होने वाली कुछ परेशान करने वाली घटनाओं के इर्द-गिर्द घूमेगी। यह रिजेक्शन, जुनून, सहमति और असल में क्या हुआ था, जैसे मुद्दों पर सवाल उठाएगी। ट्रेलर में कोई आसान जवाब नहीं है। इसके बजाय, यह बेचैनी, मकसद और नतीजों पर फोकस करता है।

ट्रेलर में हुमा कुरैशी ने वकील सना का किरदार निभाया है, जो पूजा के साथ हुई घटनाओं की कड़ियों को जोड़ने और उससे जुड़े अलग-अलग दावों की सच्चाई जानने की कोशिश करती है। उनका किरदार फिल्म में सस्पेंस पैदा करता है। सना अलग-अलग बयानों के बीच सच्चाई का पता लगाने की कोशिश करती हैं, जबकि कहानी में सच का पता लगाना मुश्किल बना रहता है।

प्राइवेट सीन लीक होने पर मैंने चार दिन तक खुद को घर में कैद रखा: आप्टे

फिल्मों और सीरीज में बोल्ड और इंटीमेट सीन दिखाने को लेकर अक्सर फिल्म के निर्माताओं और इसके कलाकारों को तीखे विरोध का सामना करना पड़ता है। ऐसे कई कलाकार हैं जो बोल्ड सीन्स को लेकर दर्शकों के निशाने पर आ चुके हैं। गहराइयां में दीपिका पादुकोण और सिद्धांत चतुर्वेदी के हॉट सीन्स पर भी काफी बवाल हुआ था। ऐसे ही राधिका आप्टे भी फिल्मों में अपने बोल्ड सीन्स को लेकर ट्रोल्स के निशाने पर रह चुकी हैं। राधिका आप्टे की जिंदगी में इन बोल्ड सीन्स के चलते एक पल ऐसा भी आया था, जब उन्होंने खुद को अपने घर में बंद कर दिया था। ये सब तब हुआ जब एक फिल्म से उनकी अनुमति के बिना उनका एक प्राइवेट फुटेज लीक हो गया। इसका राधिका आप्टे पर काफी गहरा असर हुआ था।

राधिका अप्टे इन दिनों लस्ट स्टोरीज 3 को लेकर चर्चा में हैं, जो हाल ही में नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हुई है। लस्ट स्टोरीज 3 में भी राधिका का बोल्ड अवतार देखने को मिला है। राधिका आप्टे ने अपनी जिंदगी के उस स्टेज के बारे में बात की, जब उन्होंने एक फिल्म से अपना प्राइवेट वीडियो लीक होने के बाद खुद को अपने घर में बंद कर लिया था और 4 दिन तक बाहर नहीं निकली थीं। उन्होंने बातचीत में कहा कि एक फिल्म में इंटीमेट सीन करना प्रोफेशनल फैसला हो सकता है, लेकिन इससे जुड़े फुटेज को बिना परमिशन के पब्लिक कर देना मुश्किलें खड़ी कर सकता है।

राधिका आप्टे ने बताया कि उनकी जानकारी के बिना उनका एक इंटीमेट सीन लीक हो गया था। इस घटना से वह काफी असहज हो गई थीं। राधिका ने बताया कि ये वीडियो उनके वॉचमैन, ड्राइवर तक पहुंच गया था, जिसके चलते वह इस बात को लेकर काफी डर गई थीं कि कहीं लोग ओफेंड न हो जाएं। राधिका कहती हैं- जब एक फिल्म में किया मेरा इंटीमेट सीन लीक हो गया तो मैंने खुद को चार दिन के लिए घर में बंद कर लिया था। समस्या ये है कि मामला बहुत जल्दी आपके घर तक पहुंच सकता है। कभी भी घर की घंटी बज सकती है और कोई आपसे नाराज होकर आपके घर के बाहर खड़ा हो सकता है। ये इतना आसान नहीं है। राधिका बताती हैं कि उनके वॉचमैन ने भी उनका वीडियो देख लिया था और उनकी स्टाइलिस्ट के ड्राइवर ने भी ये वीडियो देखा था। राधिका कहती हैं- ये बहुत ज्यादा मुश्किल है। मुझे याद है कि मेरी स्टाइलिस्ट ने मुझे इसके बारे में बताया और कहा कि उसका ड्राइवर बार-बार वही क्लिप देख रहा है और पूछ रहा हा कि क्या आप उनके घर जा रही हैं? मेरे वॉचमैन ने भी वो देखा था, चीजें ऐसी हो गई थीं कि उससे निपटना मुश्किल होने लगा था।

जल्द ही होगी रानी मुखर्जी की मां कृष्णा मुखर्जी की प्रार्थना सभा

रानी मुखर्जी की मां कृष्णा मुखर्जी का मंगलवार को 75 साल की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन से पूरा परिवार गहरे दुख में है। अब परिवार की ओर से एक आधिकारिक बयान जारी कर उनकी प्रार्थना सभा की जानकारी दी गई है। परिवार की ओर से जारी बयान में कहा गया, कृष्णा एक बेहद प्रतिभाशाली कलाकार, खूबसूरत गायिका, समर्पित पत्नी, प्यारी बहन, वफादार दोस्त और एक बेहतरीन दादी और मां थीं। उनके निधन ने परिवार को हिलाकर रख दिया है और हम इस समय शोक में हैं। इस मुश्किल वक्त में परिवार, दोस्तों और शुभचिंतकों की ओर से मिल रहे प्यार, समर्थन और संवेदनाओं ने हमें भावुक किया है। आपकी इस संवेदनशीलता ने इस कठिन समय में हमें हिम्मत दी है। बयान में आगे कहा गया, कृष्णा अपनी हंसी, उदार स्वभाव, दयालुता, गर्मजोशी और मजबूत व्यक्तित्व के लिए हमेशा जानी जाती थीं। उन्होंने जिंदगी को भरपूर जिया और उनके जीवन में प्यार और खुशी के कई खूबसूरत पल रहे। उन्होंने कई लोगों की जिंदगी को छुआ और हम सभी के दिल में अपने प्यार का एक हिस्सा छोड़ गईं। सभी उन्हें बहुत याद करेंगे। परिवार ने कृष्णा मुखर्जी की प्रार्थना सभा में शामिल होने के लिए लोगों को भी आमंत्रित किया है। उनकी प्रार्थना सभा जल्द आयोजित होगी। इस दौरान लोग उन्हें श्रद्धांजलि देंगे और उनके खूबसूरत जीवन को याद करेंगे।

मैं बहुत मुंहफट हूं, जो महसूस करती हूं बोल देती हूं : परिणीति चोपड़ा

परिणीति चोपड़ा की नई वेब सीरीज 'शक: ट्रस्ट नो वन' में हर किरदार पर शक की गुंजाइश बनी रहती है। कहानी आगे बढ़ती है और असली सच आखिर में सामने आता है। उन्होंने असल जिंदगी में किसी पर शक करना या किसी रिश्ते को लेकर ज्यादा सोचने पर बात की। उन्होंने यह भी कहा कि अगर किसी के साथ उन्हें अच्छा महसूस नहीं होता, तो वह उससे दूरी बना लेती हैं।

परिणीति कहती हैं, 'अगर मुझे किसी इंसान के साथ वाइब नहीं करती और मैं उसके साथ समय नहीं बिताना चाहती, तो मैं नहीं बिताती। मेरे पास इतना समय नहीं है कि मैं बैठकर किसी चीज को लेकर सोचती रहूं और टेंशन लूं। अगर मैं किसी चीज में सिर्फ 50 प्रतिशत हूं और उससे खुश नहीं हूं, तो मैं उसका बोझ लेकर आगे नहीं बढ़ना चाहती। मेरे लिए मन की शांति बहुत जरूरी है। लोगों के साथ भी मैं ऐसी ही हूं। अगर मुझे किसी के साथ समय नहीं बिताना है, तो मैं नहीं बिताऊंगी। मैं उन चीजों और लोगों को बहुत आसानी से अपनी जिंदगी से हटा देती हूं, जिन्हें मैं पसंद नहीं करती या जिनके साथ खुश नहीं हूं। मैं ज्यादा सोचती नहीं हूं। मैं बस खुश रहना चाहती हूं और हर वक्त मुस्कुराना चाहती हूं।'

परिणीति आगे कहती हैं कि वह अपने मन की बात छिपाकर नहीं रखतीं। जो महसूस करती हैं, सीधे कह देती हैं। उन्होंने कहा, 'मैं खुली किताब की तरह हूं। मैं अपने दिल में कुछ रखती नहीं हूं। मैं बहुत मुंहफट हूं, जो महसूस करती हूं बोल देती हूं। इसलिए मुझे नहीं लगता कि मेरे आसपास के लोग कभी यह सोचते होंगे कि मेरे दिमाग में क्या चल रहा है या मैं क्या सोच रही हूं। मैं चाहती हूं कि रात को घर जाऊं तो लगे कि आज का दिन आराम से बीता। मेरी जिंदगी आसान, रिलैक्स और टेंशन फ्री रहे। अगर मेरी जिंदगी में हर वक्त शक और टेंशन रहेगी तो मैं पागल हो जाऊंगी। इसलिए मैं ऐसा होने ही नहीं देती।

छेड़डाड़ कांड पर सियासत गरमाई

» राजद समेत पूरे विपक्ष ने एनडीए सरकार को घेरा

» शांभवी की पोस्ट पर तेजस्वी का हमला

बिहार में जमुई के बाद समस्तीपुर व बांका में भी अभद्रता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में पहले जमुई फिर समस्तीपुर और उसके बाद बांका में लड़की से कथित बदसलूकी का वीडियो वायरल होने के बाद वहां की एनडीए सरकार पर विपक्ष ने एकबार फिर करारा प्रहार किया। हालाकि जमुई में आरोपियों का हाफ एनकाउंटर हो गया है और समस्तीपुर के जगतसिंहपुर में लड़की से कथित बदसलूकी का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने छह घंटे में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पर मामले पर राजद, जनुसराज समेत सारे विपक्ष ने सम्राट सरकार पर सवाल उठाए हैं। वहीं राजद नेता तेजस्वी यादव ने सांसद शांभवी चौधरी की पोस्ट पर सवाल उठाते हुए गंभीर आरोप लगाए।

बता दें समस्तीपुर जिले के कर्पूरीग्राम थाना क्षेत्र के जगतसिंहपुर गांव में बांध के पास एक लड़की के साथ कथित अभद्र व्यवहार का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला राजनीतिक बहस का मुद्दा बन गया है। पुलिस ने वीडियो सामने आने के करीब छह घंटे के भीतर मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, वीडियो में दिखाई दे रही लड़की प्रथमदृष्टया नाबालिग प्रतीत हो रही है।

आरोपियों के नाम और जातीय पहचान छुपाई गयी : तेजस्वी

इस बीच बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने समस्तीपुर की सांसद शांभवी चौधरी की सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर सवाल उठाए हैं। तेजस्वी यादव का आरोप है कि बिहार पुलिस की ओर से जारी प्रेस रिलीज में आरोपियों के नाम दर्ज थे, लेकिन सांसद ने उसे अपने फेसबुक पेज पर साझा करते समय पोस्ट को इस तरह क्रॉप किया कि आरोपियों के नाम वाला हिस्सा दिखाई नहीं दिया। तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि आरोपियों के नाम और जातीय पहचान सामने न आए, इसलिए पोस्ट को क्रॉप किया गया। उन्होंने सांसद शांभवी चौधरी के साथ उनके पिता अशोक चौधरी और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान को भी निशाने पर लिया। हालाकि, पोस्ट को क्रॉप करने के पीछे सांसद की मंशा क्या थी, इस पर शांभवी चौधरी की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। इसलिए तेजस्वी यादव के आरोपों को उनके दावे के रूप में ही देखा जाना चाहिए।

सरकार का चरित्र नहीं बदलेगा तो अपराधमुक्त बिहार की बात बेमानी : पीके

जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने घटना को लेकर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बिहार में अपराध पर नियंत्रण की बात तब तक बेमानी है, जब तक सरकार के काम करने के तरीके और पुलिसिंग व्यवस्था में बदलाव नहीं होता।प्रशांत किशोर ने कहा, जब तक सरकार का चरित्र नहीं बदलेगा, सरकार को लीड करने वालों के काम करने की पद्धति नहीं बदलेगी, तब तक बिहार में अपराधमुक्त समाज बनाने की बात बेईमानी है। उन्होंने कहा कि अपराधियों पर कार्रवाई जरूरी है, लेकिन केवल गिरफ्तारी से अपराध की समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा। इसके लिए शासन की कार्यशैली और पुलिसिंग व्यवस्था में बदलाव जरूरी है।सरकार के नेतृत्व पर सवाल उठाते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि आज बिहार में ऐसे लोगों के हाथ में सरकार का नेतृत्व है। उन्होंने कहा, आज अनपढ़-अपराधी सरकार का नेतृत्व कर रहा है। उन्होंने कहा कि शासन व्यवस्था में ऊपर से नीचे तक जवाबदेही तय किए बिना अपराध पर प्रभावी नियंत्रण संभव नहीं है। प्रशांत किशोर के मुताबिक पुलिसिंग व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए, जिसमें आम लोगों, खासकर महिलाओं और छात्राओं की सुरक्षा को प्राथमिकता मिले और अपराधियों के मन में कानून का भय रहे। प्रशांत किशोर ने समस्तीपुर की घटना का जिक्र करते हुए हाल में सामने आए जमुई के मामले का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं को केवल अलग-अलग आपराधिक घटनाओं के तौर पर देखने के बजाय कानून-व्यवस्था और शासन की कार्यशैली के व्यापक संदर्भ में देखा जाना चाहिए।उन्होंने कहा कि अपराधमुक्त समाज केवल बयान या कार्रवाई से नहीं बनेगा। इसके लिए सरकार की कार्यशैली, नेतृत्व की सोच और पुलिसिंग व्यवस्था में बदलाव जरूरी है। उन्होंने कहा कि जब तक व्यवस्था में जवाबदेही और कानून का प्रभावी भय नहीं होगा, तब तक अपराध पर स्थायी नियंत्रण की बात करना मुश्किल होगा।

मोदी-इडी व वीडी का गठजोड़ सीपीआईएम को निशाना बना रहा

» माकपा की केरलम इकाई के सचिव एम. वी. गोविंदन का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोच्चि। माक्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) की केरलम इकाई के सचिव एम. वी. गोविंदन ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि राज्य में ''मोदी-ईडी-वीडी गठजोड़'' उनकी पार्टी को निशाना बना रहा है। 'मोदी-ईडी-वीडी' से उनका आशय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केरलम के मुख्यमंत्री वी. डी. सतीशन से है। गोविंदन से दावा किया कि कोचीन मिनरल्स एंड रूटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) मामले में पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के खिलाफ कोई सबूत नहीं है।

केरलम की कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) सरकार ने कथित सीएमआरएल रिश्वत मामले में विपक्ष के नेता विजयन, उनकी बेटी वीणा टी. और उनके दामाद पी. ए. मोहम्मद रियास के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने वाली ईडी की रिपोर्ट के आधार पर मंगलवार को पुलिस जांच के आदेश दिए थे। माकपा का आरोप है कि प्रधानमंत्री मोदी और सतीशन पार्टी के खिलाफ ईडी का इस्तेमाल कर रहे हैं। ईडी के आरोप के संबंध में विशेष जांच दल (एसआईटी) की जांच के बारे में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए गोविंदन ने कहा कि विजयन, उनकी बेटी वीणा और दामाद रियास को सीएमआरएल से धन मिलने के मामले में जांच आगे बढ़ाने के लिए कोई सबूत नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसी खबरें आई हैं कि एसआईटी को प्रारंभिक जांच के बाद विजयन और उनके परिवार के खिलाफ जांच आगे बढ़ाने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं मिले। गोविंदन ने कहा, ''कोई सबूत नहीं है। जिस मामले में रत्ती भर भी सबूत नहीं है, उसमें विजयन को निशाना बनाकर केरलम में पार्टी को खत्म करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पहले भी केरलम में माकपा के खिलाफ वैचारिक लड़ाई की योजना बनाई थी।

कमलजीत और सुरुचि ने भारत को दिलाया स्वर्ण

» 10 मीटर एयर पिस्टल में इस जोड़ी ने साधा सोने पर निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आइची नागोया। भारत ने एशियन गेम्स 2026 में शूटिंग में पहले स्वर्ण का इंतजार खत्म हो गया है। भारत ने इस एशियाड में अपना पहला स्वर्ण पदक जीत लिया और शूटिंग में ओवरऑल 10 पदक जीत लिए हैं। कमलजीत और सुरुचि इंदर सिंह की भारतीय जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इसके ठीक बाद 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन पुरुष टीम ने भी रजत पदक अपने नाम किया। ऐश्वर्य प्रताप सिंह, नीरज और रुद्रांक्ष की तिकड़ी ने भारत को रजत पदक दिलाया। यानी आज भारत को शूटिंग में एक स्वर्ण और एक रजत समेत दो पदक आए। इससे पहले क्वालिफिकेशन में भी कमलजीत और सुरुचि ने शानदार प्रदर्शन किया था। भारतीय जोड़ी ने कुल 587-29× का स्कोर किया था, जो इस एशियन क्वालिफिकेशन रिकॉर्ड भी बना।

भारत क्वालिफिकेशन में पहले स्थान पर रहा था, जबकि ईरान 584-17× के साथ दूसरे, दक्षिण कोरिया 582-23× के साथ तीसरे और इंडोनेशिया 580-30× के साथ चौथे स्थान पर रहा था। शीर्ष चार जोड़ियों ने फाइनल के लिए क्वालिफाई किया था, जहां भारत ने स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। क्वालिफिकेशन में इन दोनों का प्रदर्शन इतना शानदार रहा था कि चीन और वियतनाम बराबरी नहीं कर सका। चीन और वियतनाम तो फाइनल के लिए क्वालिफाई भी नहीं कर सका। 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड स्पर्धा के फाइनल में चार टीमों के बीच टक्कर थी। भारत, इंडोनेशिया, ईरान और दक्षिण कोरिया ये चार टीमें थीं। शुरुआत में पांच-पांच शॉट की तीन सीरीज दागी गईं और भारत इन 15 शॉट्स के बाद शीर्ष पर रहा। इसके बाद दो शॉट बाद एलिमिनेशन शुरू हुआ। 17वें शॉट के बाद इंडोनेशिया की टीम बाहर हो गई। यानी भारत का पदक पक्का हो गया। 19वें शॉट के बाद ईरान की टीम बाहर हो गई। यानी भारत का कम से कम सिल्वर पक्का हुआ। हालांकि, भारत कभी दूसरे स्थान पर आया ही नहीं। कमलजीत और सुरुचि की शूटिंग इतनी दमदार थी, कि इन दोनों ने भारत को दूसरे स्थान पर खिसकने नहीं दिया और हमेशा लीड बनाए रखा।

भारत ने बनाया एशियन रिकॉर्ड

फाइनल में चार टीमें शामिल थीं और भारत ने 484.6 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। दक्षिण कोरिया 478.0 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहा और रजत पदक जीता, जबकि ईरान ने 415.8 अंक के साथ तीसरा स्थान हासिल किया और कांस्य जीता। इंडोनेशिया 349.4 अंक के साथ चौथे स्थान पर रहा। भारत का 484.6 का स्कोर नया एशियन रिकॉर्ड भी है। इससे पहले एशियन रिकॉर्ड उज्बेकिस्तान के नाम था। उन्होंने इसी साल फरवरी में 481.3 स्कोर किया था। अब कमलजीत-सुरुचि की जोड़ी के नाम यह रिकॉर्ड है।

किसान मजदूर संघर्ष पार्टी 403 विस सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी: सुनील भारतीय

» कहा - जमीन से जुड़े लोगों को देंगे टिकट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर किसान मजदूर संघर्ष पार्टी ने लखनऊ में घोषणा की वह पूरे राज्य के सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष (युवा) सुनील भारतीय ने घोषणा की किसान मजदूर संघर्ष पार्टी उत्तर प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी। प्रत्याशियों के चयन की प्रक्रिया युद्ध स्तर पर जारी है। उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य सत्ता हासल करना नहीं, व्यवस्था बदलना है। 70 सालों से उत्तर प्रदेश को जात और धर्म के नाम पर बांटा गया है।

किसी ने हिंदू-मुसलमान किया, किसी ने अगड़ा-पिछड़ा किया, किसी ने दलित-सवर्ण किया। किसान, मजदूर, महिला और युवा - जो इस प्रदेश की असली ताकत हैं, वो हमेशा हाशिये पर रहे। अब किसान मजदूर संघर्ष पार्टी इस विघटनकारी राजनीत को खत्म करेगी। प्रत्याशी चयन में नया प्रयोग अध्यक्ष ने बताया, हमने तय किया है कि हम टिकट उसी को देंगे जो जमीन से जुड़ा हो।

कोर्ट का फैसला राहुल-रेवंत को तमाचा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। कांग्रेस लीडरशिप पर हमला करते हुए, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने सुप्रीम कोर्ट के उस फ़ैसले को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के लिए ज़बरदस्त तमाचा बताया, जिसमें विधायक दानम नागेंद्र की अयोग्यता को बरकरार रखा गया था। तेलंगाना हाई कोर्ट के फ़ैसले को चुनौती देने वाली नागेंद्र की याचिका को सुप्रीम कोर्ट द्वारा खारिज किए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए, केटीआर ने कांग्रेस के शीर्ष नेताओं पर दलबदल करवाकर लोकतांत्रिक जनादेश को कमजोर करने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

एक्स पर केटीआर ने लिखा राहुल गांधी और रेवंत रेड्डी के लिए ज़बरदस्त तमाचा। सुप्रीम कोर्ट ने दानम नागेंद्र की अयोग्यता से बचने की कोशिश को खारिज कर दिया है और दलबदल विरोधी कानून के तहत हाई कोर्ट द्वारा उनकी अयोग्यता को बरकरार रखा है। बीआरएस नेता ने संवैधानिक पदों का इस्तेमाल करके की गई कथित राजनीतिक चालों के लिए कांग्रेस लीडरशिप की कड़ी आलोचना की और कहा, राहुल गांधी और रेवंत रेड्डी दोनों को लगा कि वे दल-बदल के ज़रिए जनादेश चुरा सकते हैं और स्पीकर की आड़ ले सकते हैं। खैरताबाद विधानसभा क्षेत्र में होने वाले उपचुनाव से पहले आत्मविश्वास दिखाते हुए केटीआर ने कहा, खैरताबाद की जनता जल्द ही तीन साल के धोखे, टूटे वादों और कुशासन पर अपना फ़ैसला सुनाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को नागेंद्र की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने तेलंगाना हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसके तहत उन्हें विधानसभा सदस्य के तौर पर अयोग्य ठहराया गया था और खैरताबाद सीट को खाली घोषित कर दिया गया था। नागेंद्र ने नवंबर 2023 के विधानसभा चुनावों में बीआरएस के टिकट पर यह सीट जीती थी, लेकिन बाद में वे सत्ताधारी कांग्रेस में शामिल हो गए और 2024 का लोकसभा चुनाव सिकंदराबाद से कांग्रेस के टिकट पर लड़ा।

» केटी रामा राव ने विधायक दानम नागेंद्र की अयोग्यता को बरकरार रखने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का किया स्वागत

विपक्ष का दबाव, कॉकरोचों का अल्टीमेटम, अब जाना होगा ज्ञानेश कुमार को

» चीफ इलेक्शन कमिश्नर का मेरठ और वाराणसी दौरा रद्द

» संयुक्त विपक्ष दोनों सदनों में चीफ इलेक्शन कमिश्नर के खिलाफ ला रहा है प्रस्ताव

» कॉकरोच जनता पार्टी ने जंतर मंतर पर ज्ञानेश को हटाने के लिए लांच किया प्रदर्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जनता के दबाव और राहुल गांधी की हुंकार के बाद लगता है कि चीफ इलेक्शन कमिशनर ज्ञानेश कुमार के पांव पिच से उखड़ने लगे हैं । बड़ी खबर आ रही है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का आज से शुरू होने वाला मेरठ और वाराणसी दौरा रद्द हो गया है।

ज्ञानेश कुमार पर लगे गंभीर आरोपों के बीच पहली बार चुनाव आयोग ने बैक गियर लगाया है और इस तरह की खबर सामने आयी है। अधिकारिक तौर पर यह नहीं बताया गया है कि यह दौरा क्यों रदद हुआ है। इसे पूर्व में ज्ञानेश कुमार जिलों के दौरे कर रहे हैं जिसमें उनका लखनउ का दौरा सम्पन्न हो चुका है।

चुनाव आयोग के भीतर उठे सवालों की गूंज अब सड़क से संसद तक पहुंच चुकी है। विपक्षी राजनीतिक पार्टियों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की तैयारी तेज कर दी है। संयुक्त विपक्ष दोनों सदनों में ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रहा है। यानी लड़ाई अब सिर्फ बयानबाजी की नहीं रही बल्कि ज्ञानेश कुमार की कुर्सी पर संवैधानिक कार्रवाई की दस्तक सुनाई देने लगी है।

क्या पद पर बने रह पाएंगे ज्ञानेश कुमार

सड़क पर विरोध संसद में प्रस्ताव और विपक्ष के नेताओं के लगातार हमले कहानी तेजी से उस मोड़ पर पहुंच रही है जहां सवाल यह नहीं रह गया कि विपक्ष ज्ञानेश कुमार से इस्तीफा मांग रहा है या नहीं, बल्कि सवाल यह है कि क्या ज्ञानेश कुमार इस बढ़ते राजनीतिक और संवैधानिक दबाव के बीच अपने पद पर बने रह पाएंगे? राहुल गांधी चुनावी प्रक्रिया को लेकर लगातार गंभीर सवाल उठा रहे हैं। प्रियंका गांधी ने भी कार्रवाई की मांग की है। ममता बनर्जी से लेकर तेजस्वी यादव और अखिलेश यादव तक विपक्षी खेमे के अलग अलग नेता चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल उठा रहे हैं। विपक्ष का आरोप है कि चुनावी प्रक्रिया और मतदाता सूची से जुड़े फैसलों ने लोकतांत्रिक भरोसे को चोट पहुंचाई है।

तार तार होती व्यवस्था

इस बार कतई ऐसा नहीं लग रहा कि ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए सिर्फ विपक्ष लामबंद है। बल्कि जमीनी हकीकत इस ओर इशारा कर रही है कि जनता भी यही चाहती है कि जिस व्यक्ति की व्यवस्था ने लाखों लोगों को वोट देने के अधिकार से ?वंचित किये जाने की व्यवस्था बनाई उसे अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए क्योंकि पिछले दस महीनों में चुनाव आयोग के भीतर ही एसआईआर से जुड़े फैसलों को लेकर दो अन्य चुनाव आयुक्तों ने कम से कम 14 बार आपत्तियां दर्ज की। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कुछ फैसलों पर नए मतदाताओं को जोड़ने और मतदाता नाम हटाने जैसे मुद्दों पर भी सवाल उठे। यही वह बिंदु है जहां से विपक्ष का हमला और तेज हुआ है। अब संसद का दरवाजा खटखटाने की तैयारी है।

इस्तीफा नहीं ज्ञानेश को पद से हटाया जाए

एसआईआर को लेकर वाम दलों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने और एसआईआर की प्रक्रिया तत्काल रोकने की मांग की है। सीपीआई (एमएल) लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा कि इस मुद्दे को लेकर पूरे देश में नाराजगी है। तीनों वामपंथी कम्युनिस्ट पार्टियों ने संयुक्त रूप से 26 सितंबर से 2 अक्टूबर तक देशभर में विरोध प्रदर्शन करने का फैसला किया है। सीपीआई (एमएल) लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा है कि बिहार में एसआईआर की शुरुआत के समय से ही वाम दल जिन मुद्दों को उठाते रहे हैं वही मुद्दे अब चुनाव आयोग की प्रक्रिया के माध्यम से सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि उनकी प्रमुख मांगों में ज्ञानेश कुमार को तत्काल पद से हटाना और एसआईआर की प्रक्रिया को तुरंत रोकना शामिल है। सीपीआई (एम) के पूर्व सांसद हन्नान मोल्लाह ने भी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके के प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि विरोध प्रदर्शन करना अच्छी बात है और कई लोगों ने इसके लिए आगे आने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार को केवल इस्तीफा नहीं देना चाहिए बल्कि उन्हें पद से हटाया जाना चाहिए।

एसआईआर पर राहुल गांधी की चेतावनी सही निकली : अशोक गहलोत

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एसआईआर को लेकर राहुल गांधी की ओर से पहले उठाए गए सवालों का जिक्र करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। अशोक गहलोत ने कहा है कि राहुल गांधी करीब एक साल पहले से चुनाव में गड़बड़ियों को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। उन्होंने एसआईआर को लेकर राहुल गांधी की ओर से किए गए प्रस्तुतियों और उनकी आलोचना का भी जिक्र किया। पूर्व सीएम ने दावा किया कि अब चुनाव आयोग के दो सदस्यों की ओर से भी कई बार आपत्ति जताए जाने की बात सामने आई है। आयोग के इन सदस्यों ने 14 बार गलत काम होने को लेकर आपत्ति दर्ज कराई थी इसके बावजूद प्रक्रिया जारी रही। उन्होंने कहा कि ऐसे मामले में जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। गहलोत ने ज्ञानेश कुमार को बर्खास्त करने और उनके इस्तीफे की मांग दोहराई। उन्होंने कहा कि देश में जिस तरह की घटनाएं सामने आ रही हैं उससे लोकतंत्र और देश की जम्हूरियत के सामने बड़ा खतरा पैदा हो गया है।

सीईसी आपराधिक कार्रवाई का सामना करें: प्रियंका गांधी वाड्रा

एसआईआर विवाद को लेकर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि यदि चुनावों में धांधली और मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने से जुड़े आरोप सही साबित होते हैं और इसकी जानकारी होने के बावजूद अधिकारी इसमें शामिल रहे तो उन्हें इस्तीफा देना चाहिए और आपराधिक कार्रवाई का सामना करना चाहिए। वायनाड में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि यदि सामने आईं सभी बातें सही हैं और मुख्य चुनाव आयुक्त को चुनावों में कथित धांधली की जानकारी थी इसके बावजूद उन्होंने इसमें भागीदारी की तो उन्हें पद से इस्तीफा देना चाहिए। यदि अन्य दो चुनाव आयुक्तों ने भी स्थिति ठीक नहीं होने की बात कही थी और इसके बावजूद धांधली जारी रही तो मामले की गंभीरता और बढ़ जाती है। प्रियंका गांधी ने कहा कि मतदाता सूची से 13 करोड़ मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं। यह लोकतंत्र और देश के लिए गंभीर खतरा है। जिस तरह से चुनाव आयोग काम कर रहा है वह देश के लिए सही नहीं है यह बात अब सबके सामने भी आ गई है।

सीईसी के खिलाफ देशभर में कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन

ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग, सड़कों पर उतरे कार्यकर्ता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर चल रहे विवाद के बीच कांग्रेस ने शुक्रवार को देशभर में प्रदर्शन किया। दिल्ली, चंडीगढ़, जम्मू-कश्मीर, लखनऊ, कोलकाता और देहरादून समेत कई जगहों पर कांग्रेस कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की। दिल्ली में भी चुनाव आयोग के कार्यालय के बाहर सुरक्षा बढ़ाई गई और कांग्रेस के प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस बल तैनात किया गया।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में भी कांग्रेस विधायकों ने मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ नारेबाजी की। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही कांग्रेस विधायक निजामुद्दीन भट, इरफान हाफिज लोन और इफ्तिखार अहमद ने प्रदर्शन किया। उन्होंने वोट बचाओ, लोकतंत्र बचाओ और निष्पक्ष चुनाव के बिना लोकतंत्र नहीं जैसे नारे लिखे बैनर दिखाए। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ और पश्चिम बंगाल के कोलकाता में भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में कांग्रेस सांसद कुमारी शैलजा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया और ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग उठाई। असम में गौरव गोगोई के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया।

गौरव गोगोई पुलिस हिरासत में

प्रदर्शन के दौरान गौरव गोगोई को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। पंजाब में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने, उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और गिरफ्तारी की मांग की। उन्होंने बताया कि कांग्रेस कार्यकर्ता 25 सितंबर को चंडीगढ़ में सेक्टर-17 स्थित चुनाव आयोग कार्यालय तक मार्च निकालेंगे। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने चुनाव आयोग से जुड़े मुद्दों को लेकर राज्य चुनाव आयोग के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने राज्य चुनाव आयोग के कार्यालय के बाहर लगे आधिकारिक बोर्ड पर कालिख पोत दी।

दीपके ने लोकतंत्र बचाने की अपील की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कॉकरेच जनता पार्टी (सीजेपी) ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे को लेकर 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने कहा कि अगर ज्ञानेश कुमार शनिवार तक इस्तीफा नहीं देते हैं, तो सीजेपी 2 अक्टूबर यानी गांधी जयंती से मुंबई में देशव्यापी प्रदर्शन शुरू करेगी। इसके बाद आंदोलन को देश के अलग-अलग शहरों तक ले जाने की बात कही गई है।

दीपके ने गांधी जयंती पर लोकतंत्र बचाने का संकल्प लेने की अपील भी की है। सीजेपी ने यह घोषणा चुनाव आयोग और विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर चल रही बहस के बीच की है। पार्टी ने 'इलेक्शन कमीशन ठीक करो' अभियान शुरू किया है। सीजेपी का दावा है कि 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर के दौरान ड्राफ्ट मतदाता सूचियों से 13 करोड़ से अधिक नाम बाहर किए गए हैं। पार्टी का आरोप है कि इससे लोगों के मतदान के अधिकार पर असर पड़ा है। ये आंकड़े और आरोप सीजेपी की ओर से लगाए गए दावे हैं। सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया है कि चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी हुई है और नागरिकों के वोट देने के अधिकार को प्रभावित किया जा रहा है। इससे पहले पार्टी ने ज्ञानेश कुमार को 48 घंटे में इस्तीफा देने का अल्टीमेटम दिया था। अब इसे घटाकर 24 घंटे कर दिया गया है। दीपके ने कहा कि अगर इस्तीफा नहीं हुआ तो 2 अक्तूबर को मुंबई से आंदोलन शुरू होगा और इसे देश के दूसरे शहरों तक ले जाया जाएगा।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में स्टेटहुड प्रस्ताव पर हंगामा

» भाजपा-नेकां आमने सामने मेज पर चढ़े विधायक कार्यवाही बाधित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में शुक्रवार को उस समय हंगामा हो गया, जब मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव में वर्ष 2000 के स्वायत्तता प्रस्ताव के संदर्भ को लेकर भाजपा सदस्यों ने विरोध जताया। हंगामे के बीच विधानसभा की कार्यवाही आधे घंटे के लिए स्थगित कर दी गई।

भाजपा के सदस्य सदन के वेल में पहुंच गए और नारेबाजी करने लगे। उन्होंने जहां हुआ बलिदान मुखर्जी, वो कश्मीर हमारा है और जो कश्मीर हमारा है, वो सारा का सारा है जैसे नारे लगाए। हंगामा जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा तत्काल बहाल करने की मांग से जुड़े प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान हुआ। नेशनल कॉन्फ्रेंस के सदस्यों ने प्रस्ताव में स्वायत्तता के संदर्भ का बचाव किया। उन्होंने कहा कि पार्टी जम्मू-कश्मीर के अधिकारों के लिए अपनी मांग उठाती रहेगी। ऑटोनॉमी के मुद्दे पर भाजपा ने उठाए सवाल

स्टेटहुड के प्रस्ताव के साथ ही सदन में पुराने ऑटोनॉमी प्रस्ताव का मुद्दा भी उठ गया। भाजपा विधायकों ने सवाल किया कि साल 2000 के पुराने प्रस्ताव को आज के प्रस्ताव के साथ कैसे जोड़ा जा सकता है।

वेल में पहुंचे भाजपा विधायक

हंगामा बढ़ने पर भाजपा के कुछ विधायक सदन के वेल में पहुंच गए। इसी दौरान भाजपा विधायक बलवंत सिंह मनकोटिया ने मेज पर चढ़कर कागज फेंके। इससे सदन में स्थिति और गरमा गई। भाजपा की ओर से सरकार और नेशनल कॉन्फ्रेंस के खिलाफ कई नारे लगाए गए। वहीं, नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक भी लगातार स्टेटहुड बहाल करने की मांग को लेकर नारेबाजी करते रहे।

कार्यवाही आधे घंटे के लिए स्थगित

हंगामा बढ़ने पर दोनों पक्षों के सदस्यों ने नारेबाजी शुरू कर दी। स्थिति को देखते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने हस्तक्षेप किया और सदन की कार्यवाही आधे घंटे के लिए स्थगित कर दी।

पवन गुप्ता ने सवाल उठाया कि जब उस समय जम्मू-कश्मीर एक राज्य था और अब केंद्र शासित प्रदेश है, तो करीब 26 साल पुराने प्रस्ताव को मौजूदा प्रस्ताव के साथ जोड़कर सदन में कैसे चर्चा की जा सकती है। भाजपा विधायक जस्रोटिया ने सवाल किया कि क्या सरकार सदन में ऑटोनॉमी के मुद्दे पर भी चर्चा करना चाहती है। इसी मुद्दे को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तेज हो गई। इस दौरान नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायकों ने छीन के लेंगे अपना हक के नारे लगाए। जवाब में भाजपा विधायकों की ओर से भी लगातार नारेबाजी की गई।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। **विधि सलाहकार**: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी **4 पीएम** न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा**
द्वारा **आस्था प्रिंटर्स**, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक- संजय शर्मा**